भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

25 मार्च - 31 मार्च 2026

की हार्दिक शुभकामनाएँ

चैत्र, पक्ष - शुक्ल, तिथि - सप्तमी , संवत 2083 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-12, अंक-4, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/- jagrukjanta.net

क्यों लगाई दुर्घटना को आमंत्रण देती वाहनों में ये दूधिया हैडलाइट!

सटीक

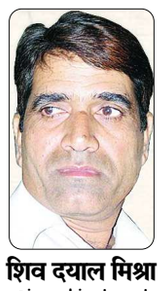

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

पिछले कुछ दिनों से रोड पर वाहन चलाना मौत से खेलना जैसा हो गया है। जब से वाहनों में दूधिया लाइट (एलईडी) लगने लगी है। तभी से वाहनों की दुर्घटना में बढ़ोतरी हो गई है। पहले वाहनों में साधारण सी लाइट लगी होती थी जो रात को जलाई जाती थी और अगर रात के समय बिना लाइट जलाए वाहन सड़क पर उतार दिया जाता था और सामना यातायात पुलिस से हो जाए तो समझो चालान कटना तय था। वहीं दिन में अगर वाहन की लाइट जलती हुई मिल जाती थी तो भी चालान कटता था। कभी-कभी तो यातायात पुलिस अभियान चलाया करती थी जिसमें वाहनों को चाहे वे दुपहिया हो, तिपहिया हो या फिर चौपहिया हो, उनकी हैड लाइट के आधे भाग में काली पट्टी लगाई जाती थी। ऐसा इसलिए किया जाता था कि रात्रि के समय वाहन की लाइट को चौंधा सामने वाले वाहन चालक की आंखों पर ना पड़े। इससे वाहन चालक को कोई परेशानी नहीं होती थी और दुर्घटना की आशंका भी नहीं के बराबर होती थी। मगर अब पता नहीं क्यों और किसकी सलाह पर वाहनों में खतरनाक दूधिया लाइट लगा दी गई और पिछले कुछ सालों से तो वाहनों में ऐसी लाइट लगादी गई है जो दिन-रात जलती है। इन लाइटों के कारण सामने से आ रहे दूसरे वाहन चालक की आंखें चुंधिया जाती है और दुर्घटना हो जाती है। कई बार तो इन लाइटों की वजह से सिर में अचानक से तेज दर्द भी होने लगता है। इसे क्या कहा जाएगा। यातायात पुलिस ने वाहन बनाने वाली कंपनियों को इस लाइट की अनुमति क्यों दी ये बात समझ से परे है। इससे कोई फायदा नहीं, बल्कि ये लाइटें ईश्वर का दिया हुआ जीवन समाप्ति का कारण बन रही हैं। यातायात पुलिस व संबंधित अधिकारियों को चाहिए कि वह इस तरह की लाइटों को वाहनों से हटवाएं और वाहन निर्माता कंपनियों से संपर्क कर इस विषय में उन्हें ऐसी हैडलाइट नहीं लगाने के निर्देश दिए जाने चाहिए, ताकि आमलोगों के जीवन से हो रहे खिलवाड़ को रोका जा सके।

shivdayalmishra@gmail.com

श्री ललिता महायज्ञ पूर्णाहुति एवं सरस्वती माता मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह

सनातन संस्कृति का हो रहा पुनर्जागरण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजनीति हो या अन्य कार्य, धर्म आवश्यक है, धर्म के अभाव में कोई भी कार्य ठीक से नहीं हो सकता। धर्म परायण होने पर ही सिद्धियां प्राप्त होती हैं और उसी से ही उत्कृष्ट समाज एवं राष्ट्र की स्थापना हो सकती है। सनातन परम्परा हमें धर्म पर चलते हुए सामाजिक एकता के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की धरा शौर्य, आस्था और भक्ति की त्रिवेणी है, जहां साधु-संतों के आशीर्वाद से सनातन संस्कृति का पुनर्जागरण हो रहा है।

शर्मा मंगलवार को बालोतरा के कनाना श्रीमठ में आयोजित ललिता महायज्ञ की पूर्णाहुति एवं मां सरस्वती मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाजिक एकता को सुदृढ़ करने के साथ ही आने वाली पीढ़ी को विरासत से जोड़ते हैं। मुख्यमंत्री ने बालोतरा के धार्मिक महत्व को बताते हुए कहा कि यहां के तीर्थ स्थल हमारी गौरवशाली संस्कृति के सजग प्रहरी हैं। वहीं, कनाना मठ की पवित्र भूमि अलौकिक ऊर्जा का संचार करती है।

देश के धार्मिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य में आया परिवर्तन

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश के धार्मिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य में ऐतिहासिक परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा, वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और उज्जैन में महाकाल महालोक के अलौकिक निर्माण सहित प्रसाद योजना के माध्यम से देशभर के प्रमुख तीर्थस्थलों के आधारभूत ढांचे और सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

आस्था की सेवा बड़ी जनसेवा, तीर्थ स्थलों का हो रहा विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि आस्था की सेवा सबसे बड़ी जनसेवा है, इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में भी हमारी सरकार तीर्थ स्थलों के विकास कार्यों पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत बुजुर्गों को निःशुल्क तीर्थ दर्शन करवाए जा रहे हैं। साथ ही, मुख्यमंत्री विकसित ग्राम एवं वार्ड योजना के तहत धार्मिक स्थलों का सुनियोजित विकास किया जा रहा है। देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सनातन के लिए विशेष कार्य किए जा रहे हैं। इसी के तहत राजस्थान दिवस को चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन मनाने की परंपरा शुरू की गई है। वहीं, मंदिरों के विकास और संस्कृति को संरक्षित करने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

10वीं में 94.20% छात्राएं, 93.63% छात्र पास

पहली बार 10वीं का रिजल्ट 12वीं से पहले

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने जारी किया। परिणाम आंकड़ों में एक बार फिर छात्राओं का दबदबा देखने को मिला है। इस बार कुल पास 94.23% छात्र पास हुए। इनमें छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फिर से बाजी मारी। छात्रों का पास प्रतिशत 93.63% जबकि छात्राओं का 94.90% दर्ज किया गया।

सफलता का प्रतिशत

इस बार परीक्षा में कुल 10 लाख 65 हजार 304 स्टूडेंट रजिस्टर्ड हुए थे। इनमें से 10 लाख 47 हजार 950 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी। कुल 5 लाख 6,162 छात्र पास हुए। इस प्रकार कुल 94.95% विद्यार्थी परीक्षा में पास हुए। छात्रों का सफलता का प्रतिशत 93.63% रहा। वहीं 47 लाख 1987 छात्राएं पास हुईं। छात्राओं का सफलता का प्रतिशत 94.95%रहा। इस बार खास बात यह रही कि 10वीं के साथ ही 8वीं और 5वीं कक्षा के परिणाम भी एक साथ जारी किए गए। साथ ही पहली बार 10वीं का रिजल्ट 12वीं से पहले और मार्च महीने में ही घोषित किया गया है। इस वर्ष 8वीं में 12.86 लाख और 5वीं में 13.68 लाख छात्र-छात्राएं पंजीकृत रहे. 8वीं की परीक्षाएं 20 फरवरी से 4 मार्च और 5वीं की परीक्षाएं 20 फरवरी से 6 मार्च तक आयोजित की गई थीं।

98% अंक हासिल कर किया कमाल

भीलवाड़ा, गंगापुर उपखंड के लखोला गांव निवासी 16 वर्षीय ईश्वर जाट ने 10वीं के परीक्षा परिणाम में 98 फीसदी नंबर हासिल किए हैं। आइसक्रीम की लारी चलाकर घर का गुजर बसर करने वाले पिता 2 साल पहले दुनिया से चल बसे। मगर मां बेटे का हौसला नहीं टूटा, 8 भाई बहनों में सबसे छोटे बेटे ईश्वर जाट का कलेक्टर बनने का सपना है।

हायपरबैरिक ऑक्सीजन थैरेपी (HBOT)

निम्न बीमारियों में अतिलाभदायक:-

- सेरेब्रल पाल्सी, आटिज्म
- अचानक बहरापन (SNHL)
- आंतों में सूजन/घाव (Ulcers/Collitis)
- असाध्य घावों का भरना
- अम्पुटेशन में बचाव (हाईबेटिक फुट)
- मस्तिष्क चोट, पक्षघात में फायदा
- रेडियोथैरिपी के बाद
- उम्र में ठहराव (Anti-Ageing)
- बीमारियों से बचाव (Preventive)

नेशनल हायपरबैरिक्स रिसर्च सेन्टर

Site 1 : 594-B-C, जैम्स कॉलोनी, मंदिर मोड, विद्याधर नगर सैक्टर-3, जयपुर - 302039

Site 2 : फोर्टिस हॉस्पिटल, मालवीय नगर, जयपुर - 302017

फोन : 0141- 2339348, 2236895 मो.- 70737-77133, 98290-17133

डॉ. हिमांशु अग्रवाल (M.B.B.S., M.D.) मो.- 99833-17133

अपना सीकेवाईसी नंबर प्राप्त करें, यह आपका खाता खोलने और री-केवाईसी में सहायता करता है

यह कैसे काम करता है:

- बैंक ग्राहकों की केवाईसी संबंधी जानकारी प्राप्त करके उसे सेंट्रल केवाईसी रिकॉर्ड्स रजिस्ट्री (सीकेवाईसीआर) पर अपलोड करते हैं
- ग्राहक को 14-अंकों का एक नंबर जारी किया जाता है
- अन्य वित्तीय संस्थाओं द्वारा नया खाता खोलने और री-केवाईसी करने के लिए ग्राहक के मौजूदा केवाईसी संबंधी जानकारी प्राप्त करने हेतु 14-अंकों के इस नंबर का उपयोग किया जा सकता है

अपना सीकेवाईसी नंबर प्राप्त करने के लिए:

अपने बैंक से संपर्क करें या 7799022129 पर मिस्ड कॉल दें या https://ckycindia.in पर जाएँ

अधिक जानकारी के लिए, https://rbikehtahai.rbi.org.in/CKYCR पर जाएँ

आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर: 99990 41935/99309 91935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

कहीं आप गलत तेल के शिकार तो नहीं हो रहे है ?

देसी दिल के लिये, दादी वाला देसी तेल...

Kabira®
Healthy Growth
Yellow Mustard Oil

Natural Immunity Booster
FORTIFIED WITH VITAMIN A & D3
100% VEG.
COLD PRESSED
KOSHER

स्वदेशी पीली सरसों का तेल है, प्राचीन, पौष्टिक एवं परखा।

- प्राचीन शीतल विधि घाणी से निर्मित।
- निर्माण विधि उच्च ताप रहित।
- निर्माण में कोई रासायनिक प्रयोग नहीं।
- केन्सर को रोकने में लाभदायक ।*
- मधुमेह को नियंत्रित करने में लाभदायक ।
- एसीडीटी एवं गेस्टिक रोगों में मददगार ।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने मे लाभदायक ।
- केवल देसी सरसों द्धारा निर्मित ।
- मोटापा घटाने में लाभदायक ।
- बालों के लिए एक उत्तम तेल ।
- ओमेगा 3 एवं ओमेगा 6 से भरपूर ।
- तीखी गंध रहित होने के कारण सभी व्यंजनों में उपयोगी ।
- अनेक औषधीय गुणों से भरपूर ।
- सभी तेलों के मुकाबले सबसे कम सेच्युरेटेड फेट्स ।*
- छः हजार वर्षों से मानव के लिए उपयोगी ।

Kabira Cold Pressed Oils are Also Available in :
Kachchi Ghani Mustard Oil (Pungent Smell)
Kachchi Ghani Groundnut Oil | Kachchi Ghani Sesame (Til) Oil

स्वस्थ जीवन के लिए कोनसा तेल उपयोग करें ?

तेल आप उपयोग करें	तेल आप उपयोग ना करें
कबीरा पीली सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड पामोलीन तेल
कबीरा कच्ची घानी सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड राईस ब्रान तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल	कबीरा ब्लेन्डेड एवं कनोला तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल	कबीरा रिफाईण्ड सोयाबीन तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड बादाम तेल	कबीरा रिफाईण्ड सूरजमूखी तेल
	कबीरा रिफाईण्ड मूंगफली तेल

कबीरा पीली सरसों तेल को फेक्ट्री मूल्य में लेने के लिए इस विज्ञापन एवं अपनी डिटेल्स को 90017-99117 पर व्हाट्सप करें और फ्री में लाइफ मेम्बर बनें एवं पाएं 590 रू. की चांदी की फ्रेम एवं केनवास बेग बिलकुल Free

ONLY FOR NEW MEMBER, LIMITED TIME OFFER

समस्त व्रत एवं उपवास में उपयोगी	केवल कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल
सर्दियों में उपयोगी	कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल
हर मौसम में उपयोगी	कबीरा पीली सरसों एवं कच्ची घानी सरसों तेल
दिपावली, दिपक प्रज्वलन के लिए	कबीरा तिल्ली एवं कच्ची घानी सरसों तेल

-: Awards & Achievements :-

For Award Details : Contact 9829038807

* In Reference to : Asian Journal of Dairy and Food Research (2019)

To Open Kabira Hand Made Exclusive Store or Other Trade Inquiries Please Contact :

MANISHANKAR OILS PVT LTD

+91 98290 50738

www.manishankaroils.in

ALSO DEALS IN KISAN, PEEURA, TILAK, HANDMADE, MURARKA, BANSI, KABIRA COLD PRESSED (EDIBLE OIL, SPICES & TEA)

#GOVERNMENT OF INDIA'S NATIONAL AWARDED #GOVERNMENT OF RAJASTHAN'S UDYOG RATAN AWARDED

मुख्यमंत्री निवास पर उच्च स्तरीय बैठक

प्रदेश में पेट्रोल-डीजल, गैस एवं उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता

मॉनिटरिंग के साथ जमाखोरी और कालाबाजारी पर हो सख्त कार्रवाई

आम उपभोक्ताओं को सिलेंडर डिलीवरी में न हो अनावश्यक विलंब

शादी-विवाह जैसे आयोजनों के लिए भी हो उचित व्यवस्था

सतर्कता बरतते हुए अफवाहों और फर्जी खबरों पर रखें निगरानी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में पेट्रोल-डीजल, गैस एवं उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है और आमजन को घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी अवैध भंडारण, रिफिलिंग और अनियमितता के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को आश्वस्त किया है कि आम जनता को परेशानी नहीं आने देंगे। सभी एकजुट होकर इस समय चुनौती का सामना करेंगे।

मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री निवास पर उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। शर्मा ने कहा कि एलपीजी एवं गैस संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए 181, 112 और 14435 हेल्पलाइन नंबर चौबीस घंटे संचालित हैं। प्रदेश में कहीं भी कृत्रिम संकट, कालाबाजारी या जमाखोरी जैसी स्थिति न पैदा हो, इसके लिए प्रभावी कदम उठाए जा रहे है। उन्होंने मुख्य सचिव को हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों की मॉनिटरिंग एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने जिला प्रशासन, पुलिस और रसद विभाग को सतर्क किया है। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्धारित अवधि के बाद रिफिलिंग हेतु आवेदन करने वाले उपभोक्ताओं को बिना विलंब के सेवा मिले। बड़े आयोजनों के लिए भी सिलेंडर की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। शर्मा ने कहा कि सिटी गैस वितरण नेटवर्क का विस्तार तेजी से किया जाए ताकि एलपीजी पर निर्भरता कम हो सके। साथ-साथ सिटी गैस वितरण कंपनियां घरेलू पाइप्ड नैचुरल गैस कनेक्शन देने में तेजी लाएं और हॉस्पिटल, होटल, रेस्टोरेंट जैसी वाणिज्यिक इकाइयों को नैचुरल गैस अपनाने के लिए प्रेरित करें। पाइपलाइन अनुमतियों को शीघ्र स्वीकृति दी जाए। उन्होंने मुख्य सचिव को निर्देश दिए कि सभी जिला कलेक्टर 24 घंटे के अंदर पाइपलाइन बिछाने की लंबित स्वीकृतियों को जारी करें। शर्मा ने कहा कि पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने व्यावसायिक एलपीजी के लिए 10 प्रतिशत अतिरिक्त आवंटन संबंधी निर्देश जारी किए हैं। इस 10 प्रतिशत आवंटन का पूरा लाभ उठाना सुनिश्चित करें।

शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार ने होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों, फूड प्रोसेसिंग एवं डेयरी इकाइयों, औद्योगिक कैंटीन और श्रमिकों के लिए 5 किलो वाले सिलेंडर के लिए 20 प्रतिशत अतिरिक्त एलपीजी आवंटन किया है। अधिकारी सुनिश्चित करें कि इस आपूर्ति का दुरुपयोग न हो। उन्होंने कहा कि यूरिया, डीएपी और अन्य उर्वरकों की उपलब्धता को बनाए रखने के लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर कार्य कर रही हैं। केंद्र सरकार ने पिछले एक दशक में देश में 6 यूरिया प्लांट शुरू किए गए हैं, इससे सालाना 76 लाख मीट्रिक टन से अधिक की यूरिया प्रोडक्शन कैपेसिटी जुड़ी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने निर्देश दिए कि जमाखोरों, अफवाह फैलाने वालों पर सख्त मॉनिटरिंग करते हुए कड़ी कार्रवाई करें, आमजन को किसी प्रकार की समस्या न हो और समस्या का त्वरित समाधान हो।

बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित खाद्य, वित्त, कृषि, उद्योग, स्वास्थ्य, गृह, ऊर्जा, पेट्रोलियम विभाग एवं पेट्रोलियम कंपनीज के राज्य नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

ज्वाला माता के दर पर मुख्यमंत्री ने नवाया शीश

शाकम्भरी माता मंदिर में भी की पूजा-अर्चना, हवन में दी आहुति

दहमीकलां स्थित श्री खेड़ापति बालाजी मंदिर में भी किए दर्शन

प्रदेश की खुशहाली एवं सुख-समृद्धि के लिए की कामना

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नवरात्र के अवसर पर जोबनेर स्थित ज्वाला माता मंदिर और सांभर स्थित शक्तिपीठ शाकम्भरी माता मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश की खुशहाली एवं सुख-समृद्धि के लिए कामना की। ज्वाला माता मंदिर में पुजारियों द्वारा शर्मा को आशीर्वाद स्वरूप माता की चुनरी ओढ़ाई गई तथा मंदिर ट्रस्ट द्वारा साफा पहनाकर और माता की तस्वीर भेंट कर स्वागत किया गया। वहीं, मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में नौ देवी का स्वरूप बनी कन्याओं का पूजन कर आशीर्वाद भी प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री का आमजन और किसानों ने जगह-जगह किया भव्य स्वागत

मुख्यमंत्री का आमजन ने जगह-जगह पुष्पवर्षा के साथ भव्य स्वागत किया। झोटवाड़ा में स्थानीय लोगों एवं हाथोज में विधायक बालमुकुन्दाचार्य ने शर्मा को फूलमालाएं पहनाकर अभिनंदन किया। इसके बाद धानक्या मोड़ पर किसानों ने मुख्यमंत्री को गेहूं की बालियां भेंट की तथा कालवाड़ में आमजन ने राम जल सेतु लिंक परियोजना के लिए आभार जताया। शर्मा ने बस्सी नागा स्थित बजरंग गोशाला में गायों को गुड़ खिलाकर गौ सेवा की तथा जोबनेर स्थित कृषि विश्वविद्यालय में श्री कर्ण नरेन्द्र की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। यहां छात्राओं ने संवाद के दौरान मुख्यमंत्री से आशीर्वाद प्राप्त किया एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। तत्पश्चात जोबनेर में लोगों ने मुख्यमंत्री को तलवार भेंट कर स्वागत किया। इसके बाद फुलेरा में आमजन ने मुख्यमंत्री को गदा भेंट कर अभिनंदन किया। शर्मा ने फुलेरा सर्किल पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। इसके बाद रिणगी, बिचून एवं मोखमपुरा गांव में ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री सांभर स्थित शक्तिपीठ शाकम्भरी माता मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने माता के दरबार में शीश नवाकर पूजा-अर्चना की एवं हवन में आहुति भी दी। इस दौरान श्री शर्मा मंदिर में आए श्रद्धालुओं से भी मिले। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर आमजन में उत्साह नजर आया। जयपुर लौटते समय मुख्यमंत्री ने दहमीकलां स्थित श्री खेड़पति बालाजी मंदिर में दर्शन किए। यहां पुजारी ने शॉल ओढ़ाकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सनातन संस्कृति में रामनवमी केवल उत्सव नहीं, बल्कि...

मर्यादा, धर्म और आदर्श जीवन का महापर्व है

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

File Photo

भारतीय सनातन संस्कृति में राम नवमी केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि आस्था, आदर्श और आत्मचिंतन का विराट पर्व है। यह वह पावन क्षण है, जब विष्णु के अवतार के रूप में भगवान श्रीराम ने अयोध्या में अवतरण कर मानव समाज को धर्म, कर्तव्य और मर्यादा का सजीव मार्ग दिखाया। भारतीय जीवन-दर्शन में यदि किसी एक व्यक्तित्व को पूर्णता का प्रतीक माना गया है, तो वह भगवान राम ही हैं। इसी कारण उन्हें 'मर्यादा पुरुषोत्तम' कहा जाता है।

प्राचीन भारतीय चिंतन परम्परा में वर्णित प्रत्येक त्योहार को मनाने के लिये शास्त्रों में बताई गई विधि के साथ-साथ खगोलीय स्थिति की भी जानकारी दी गई है। भागवत् महापुराण और अगस्त्य संहिता में स्पष्टरूप से लिखा हुआ है कि-

चैत्रमासे सिते पक्षे, नवम्यां च पुनर्वसौ,
मध्याह्ने कर्कटे लग्ने, जातोरामस्वयं हरिः।

अर्थात् चैत्र मास के शुक्ल पक्ष में नवमीतिथि वाले दिन पुनर्वसु नक्षत्र में अपराह्न काल में कर्कलग्न में भगवान् श्रीरामने इस धरती पर जन्म लिया था।

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार जब त्रेता युग में अधर्म और अन्याय अपने चरम पर पहुंच गया, तब देवताओं ने सृष्टि के पालनकर्ता भगवान विष्णु से प्रार्थना की। परिणामस्वरूप उन्होंने राजा दशरथ के यहां राम के रूप में अवतार लेकर धर्म की पुनर्स्थापना का संकल्प लिया। वाल्मीकि रामायण में कहा गया है कि श्रीराम का अवतरण केवल रावण का अंत के लिए नहीं था, बल्कि यह संदेश देने के लिए था कि मनुष्य अपने जीवन में सत्य, संयम और कर्तव्य को सर्वोपरि रखकर भी आदर्श जीवन जी सकता है।

शास्त्रों में राम नाम की महिमा को अत्यंत प्रभावशाली बताया गया है। विष्णु सहस्रनाम में भी 'राम' नाम को विशेष स्थान प्राप्त है। यह माना जाता है कि राम नाम का स्मरण मन, वचन और कर्म की शुद्धि का माध्यम बनता है। यही कारण है कि संत परंपरा में 'राम' केवल एक नाम नहीं, बल्कि साधना और मुक्ति का मार्ग है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन किए गए जप, तप, दान और रामायण पाठ का विशेष फल प्राप्त होता है। मंदिरों में राम जन्मोत्सव के आयोजन, धार्मिक अनुष्ठान इस पर्व को सामूहिक आस्था का रूप देते हैं। घर-घर में श्रीराम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान जी की पूजा के साथ वातावरण भक्तिमय हो उठता है। यदि समाजशास्त्रीय दृष्टि से देखें तो राम नवमी भारतीय संस्कृति की उस परंपरा को सुदृढ़ करती है, जिसमें परिवार, कर्तव्य और नैतिकता का विशेष महत्व है। श्रीराम का जीवन हमें सिखाता है कि आदर्श पुत्र, आदर्श भाई, आदर्श पति और आदर्श शासक बनने के लिए किन मूल्यों को अपनाना आवश्यक है।

राम नवमी पर व्रत का अनुष्ठान : राम नवमी के व्रत का विधान अत्यंत श्रद्धा, संयम और शास्त्रीय मर्यादा के साथ किया जाता है। इस व्रत का उद्देश्य केवल उपवास नहीं, बल्कि मन, वचन और कर्म की शुद्धि है। इस दिन निर्जल या फलाहार व्रत रखा जाता है। श्रद्धालु को दिनभर 'रामचरितमानस', 'रामरक्षा स्तोत्र' अथवा 'सुंदरकांड' का पाठ करना चाहिए और 'श्रीराम, जय राम, जय जय राम' मंत्र का जप करना चाहिए। क्यों भगवान राम का जन्म दोपहर में हुआ था, इसीलिए श्रीराम के जन्म का उत्सव दोपहर में मनाया जाता है। इस समय झांकी सजाकर, शंख-घंटी के साथ आरती करनी चाहिए। व्रत का पारण प्रायः अगले दिन प्रातः किया जाता है, या कुछ स्थानों पर दोपहर में आरती के पश्चात फलाहार ग्रहण कर व्रत पूर्ण किया जाता है। शास्त्रों के अनुसार इस व्रत से पापों का क्षय होता है और जीवन में धर्म, सुख एवं शांति की प्राप्ति होती है।

आज के समय में, जब जीवन की गति तेज है और मूल्यों का क्षरण चिंता का विषय बनता जा रहा है, तब राम नवमी का संदेश और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है।

श्रीराम का जीवन...

महर्षि वाल्मीकि ने श्रीराम के स्वरूप का वर्णन करते हुए कहा है कि 'रामो विग्रहवान् धर्मः' अर्थात् श्रीराम स्वयं धर्म के साकार स्वरूप हैं। उनका जीवन किसी एक घटना या प्रसंग तक सीमित नही, बल्कि हर परिस्थिति में आदर्श की स्थापना का जीवंत उदाहरण है। पिता की आज्ञा का पालन करते हुए वनगमन, भ्रातृ प्रेम की अनुपम मिसाल, मित्रता मे निष्ठा और शत्रु के प्रति भी करुणा, ये प्रसंग श्रीराम को एक असाधारण व्यक्तित्व बनाते है। गोस्वामी तुलसीदास ने भी श्री रामचरितमानस मे उनके चरित्र को लोकजीवन से जोड़ते हुए कहा है कि 'राम नाम मणि दीप धरु जीह देहरी द्वार, तुलसी भीतर बाहेरहु, जो चाहसि उजियार।' यह केवल भक्ति का भाव नही, बल्कि जीवन को प्रकाशमान बनाने का सूत्र है। तुलसीदास के अनुसार राम नाम वह शक्ति है, जो मनुष्य के भीतर और बाहर दोनों ओर उजाला फैलाती है।

अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति तक पहुंचे सामाजिक योजनाओं का लाभ-कुमार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दिनेश कुमार ने विभागीय अधिकारियों की बैठक लेते हुए कहा कि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक तय समयावधि में पहुंचाना ही विभाग की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। कुमार ने पदभार संभालने के बाद पहली बार मंगलवार को सचिवालय स्थित अपने कक्ष में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारियों की बैठक ली।

उन्होंने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति तक पहुंच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निदेशक आशीष मोदी ने बैठक में स्कैमेटिक बजट, बजट घोषणा वर्ष 2024-25 से 2026-27 एवं मुख्यमंत्री निर्देशों की समीक्षा, भारत सरकार से बजट आवंटन एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र की समीक्षा सहित विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। बैठक में वित्तीय सलाहकार अंजू सिंह, अतिरिक्त निदेशक जेपी बैरवा, नसीम खान, रामेश्वर लाल परसोया, रीना शर्मा, सूंडाराम मीणा, अशोक जांगिड़, अरविंद कुमार सैनी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दुर्गाष्टमी : ज्वालामुखी मंदिर में होती है विशेष पूजा

दुर्गाष्टमी *(26 मार्च, गुरुवार)*

वैसे तो हर महीने ही शुक्ल पक्ष की अष्टमी को दुर्गा अष्टमी व्रत का विधान है लेकिन नवरात्र के दौरान आने वाली अष्टमी को महाअष्टमी के नाम से जाना जाता है। अनेक घरों में अष्टमी का पूजन कर नवरात्र का समापन कर लिया जाता है और कुछ घरों मे नवमी के दिन ऐसा किया जाता है। इस दिन मां दुर्गा की पूजा के बाद उन्हें चने और हलवा-पूरी का भोग लगाया जाता है। देश मे अलग-अलग जगहो पर स्थापित शक्तिपीठो मे विशेष पूजा होती है। माना जाता है कि मां दुर्गा के पूजन से उपासकों को विशेष शक्ति मिलती है। इस दिन कंजक पूजन कर सामान्यतया दस वर्ष तक की छोटी बालिकाओं को प्रसाद के रूप में हलवा-पूरी खिलाया जाता है। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा स्थित ज्वालामुखी मंदिर में इस दिन विशाल मेले का आयोजन किया जाता है जहां देश के कोने कोने से हजारों लोग मां दुर्गा के विशेष पूजन में भाग लेने के लिए पहुंचते है।

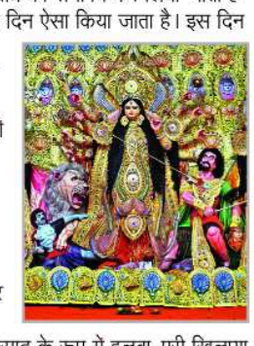

कामदा एकादशी *(29 मार्च, रविवार)*

चैत्र शुक्ल एकादशी को कामदा एकादशी के रूप में जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन व्रत रखकर भगवान् नारायण का पूजन, अर्चन और स्तवन करने से वे प्रसन् होते है और उपासक को सभी पापों से मुक्त कर देते है। प्राचीन काल में राजा दिलीप ने भी इस एकादशी के व्रत का माहात्म्य अपने गुरु वशिष्ठ से सुना था। गुरु ने उन्हें बताया था कि एक बार राजा पुंडरीक किसी के श्राप से मनुष्य से राक्षस बन गया था। उस राजा की पत्नी ने चैत्र एकादशी का व्रत रख प्रार्थना की थी कि मेरे इस व्रत का फल मेरे पति को प्राप्त हो जाए। भगवान् नारायण ने पत्नी के व्रत का फल उसके राक्षस बन चुके पति राजा पुंडरीक को दे दिया जिससे वह राक्षस से एक बार फिर से राजा बन गया।

रामनवमी *(26 मार्च, गुरुवार)*

भगवान श्री राम के जन्मदिन के रूप में रामनवमी का पर्व पूरे देश में मनाया जाता है। उनका जन्म चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी के दिन पुनर्वसु नक्षत्र मे और कर्क लग्न में अयोध्या में हुआ था। इस दिन पूरे देश में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते है और भगवान राम की विधि विधान से पूजा की जाती है। इस दिन हजारों लोग अयोध्या पहुंचकर पुण्यसलिला सरयू नदी में स्नान कर पुण्यार्जन करते हैं। इसी दिन अयोध्या में चैत्र राम मेले का भव्य आयोजन भी किया जाता है।

सोम प्रदोष *(30 मार्च, सोमवार)*

प्रत्येक पक्ष की त्रयोदशी को प्रदोष का व्रत रखा जाता है। प्रदोष का व्रत जब सोमवार को आता है तो उसे सोम प्रदोष कहा जाता है। इस दिन रखा जाने वाला व्रत भगवान शिव को समर्पित होता है। इस दिन व्रती को निरन्तर 'ओम् नमः शिवाय' का जाप करना चाहिए। इससे महादेव की कृपा प्राप्त होती है और उपासक की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने कलेक्ट्रेट परिसर में लगाया परिंडा

'परिंडा लगाओ, परिंदा बचाओ' अभियान शुरु

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भीषण गर्मी के मौसम में पक्षियों एवं छोटे जीवों को पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जयपुर में 'परिंडा लगाओ, परिंदा बचाओ' अभियान की शुरुआत की गई। इस अवसर पर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने कलेक्ट्रेट परिसर में परिंडा लगाकर अभियान का शुभारंभ किया तथा आमजन से भी इस पुनीत कार्य में भागीदारी निभाने का आह्वान किया। जिला कलक्टर डॉ. सोनी ने अपील की कि बढ़ते तापमान के बीच पक्षियों के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। छोटे-छोटे प्रयासों से हम पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ जीव-जंतुओं के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

प्रोजेक्ट डायरेक्टर रामवतार भारद्वाज ने बताया कि नव निर्माण एवं पर्यावरण केन्द्र, केशा का बास, करणसर द्वारा सामाजिक कल्याण गतिविधियों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गत दस वर्षों की भांति इस वर्ष भी 'परिंडा लगाओ, परिंदा बचाओ' अभियान के तहत शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में घरों, कार्यालयों, स्कूलों, सार्वजनिक स्थानों एवं पेड़ों पर पानी के बर्तन लगाए जाएंगे, ताकि गर्मी के मौसम में पक्षियों एवं छोटे जानवरों को पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने आमजन, संस्थाओं एवं विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपने आसपास परिंडे लगाकर नियमित रूप से उनमें पानी भरें, जिससे अधिक से अधिक पक्षियों को राहत मिल सके और पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान को जन-आंदोलन का रूप दिया जा सके। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर विनीता सिंह, मेघराज मीणा सहित अन्य अधिकारी एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को हुआ वित्तीय साक्षरता एवं धन प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन

वित्तीय साक्षरता एवं वित्त प्रबंधन की बारीकियों से रूबरू हुए कलेक्ट्रेट के अधिकारी एवं कर्मचारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। आमजन को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों की क्षमता वृद्धि के उद्देश्य से जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में वित्तीय साक्षरता एवं वित्त प्रबंधन विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह पहल सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसके माध्यम से प्रशासनिक तंत्र को और अधिक दक्ष, जागरूक एवं उत्तरदायी बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यशाला का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को वित्तीय रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे न केवल अपने व्यक्तिगत वित्तीय निर्णय बेहतर तरीके से ले सकें, बल्कि आमजन को भी योजनाओं एवं वित्तीय प्रबंधन के संबंध में प्रभावी मार्गदर्शन प्रदान कर सकें।

कार्यक्रम में जिला कलक्टर डॉ. सोनी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला का संचालन वरिष्ठ लेखाधिकारी आशीष नागर द्वारा किया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता अतिरिक्त निदेशक, राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग जयपुर श्री रामपाल परसोया ने वित्तीय साक्षरता, बीमा एवं सेवानिवृत्ति योजना प्रबंधन पर विस्तार से जानकारी देते हुए आय-व्यय संतुलन, नियमित बचत एवं भविष्य की आर्थिक सुरक्षा के लिए बीमा एवं पेंशन योजनाओं के महत्व को रेखांकित किया। वहीं, भारतीय स्टेट बैंक जयपुर के टीम लीडर (संबंध प्रबंधक) मनीष गुप्ता ने निवेश के सुरक्षित एवं प्रभावी विकल्पों, जोखिम प्रबंधन तथा दीर्घकालिक वित्तीय योजना के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए विषय से संबंधित जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। जिला प्रशासन द्वारा इस प्रकार के नवाचारों के माध्यम से कार्य संस्कृति में सकारात्मक परिवर्तन लाने तथा अधिकारियों-कर्मचारियों को बहुआयामी रूप से सशक्त बनाने के प्रयास निरंतर जारी हैं। अंत में सभी वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम का सफल समापन किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) विनीता सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वितीय मेघराज मीणा, अतिरिक्त जिला कलक्टर तृतीय संजय कुमार माथुर, अतिरिक्त जिला कलक्टर चतुर्थ आशीष कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर उत्तर मुकेश मूंड एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर दक्षिण जयपुर शहर युगांतर शर्मा, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद जयपुर, कोषाधिकारी जयपुर शहर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आलोक गुप्ता ने ग्रहण किया राजस्थान आवासन मण्डल के अध्यक्ष का पदभार

आवंटी की संतुष्टि, किफायती आवास और पारदर्शिता को बताया प्राथमिकता

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी आलोक गुप्ता ने राजस्थान आवासन मण्डल के मण्डल अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने स्पष्ट किया कि आवंटी की संतुष्टि ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, क्योंकि आवासन मण्डल केवल एक संस्था नहीं, बल्कि लाखों लोगों के घर के सपनों को साकार करने का माध्यम है। मण्डल मुख्यालय में आयोजित बैठक में कर्मियों को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा कि राज्य सरकार की मंशानुरूप आवास निर्माण के लक्ष्यों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने उपभोक्ता-केंद्रित कार्यशैली अपनाने, प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाने तथा शिकायत निवारण को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

किफायती आवास पर विशेष जोर

गुप्ता ने कहा कि नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा के निर्देशन में मण्डल का प्रमुख फोकस किफायती आवास को बढ़ावा देना है, ताकि निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के लोगों को सुलभ दरों पर गुणवत्तापूर्ण घर उपलब्ध कराए जा सकें। इसके लिए आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग एवं निम्न आय वर्ग के लिए अधिक योजनाएं विकसित की जाएंगी, शहरी क्षेत्रों में सुव्यवस्थित, किफायती और आधुनिक सुविधाओं से युक्त आवासीय परियोजनाएं लाई जाएंगी।

प्रधानमंत्री / मुख्यमंत्री आवास योजनाओं एवं राज्य सरकार की योजनाओं के साथ समन्वय बढ़ाकर अधिक से अधिक लाभार्थियों तक पहुंच सुनिश्चित की जाएगी, साथ ही निर्माण में लागत नियंत्रण और गुणवत्ता के संतुलन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि आमजन को बेहतर विकल्प मिल सके। उन्होंने टीम भावना, निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ काम करने पर जोर दिया। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष देबाशिष पृष्टी को आवासन आयुक्त ने स्मृति चिह्न भेंट कर विदाई दी। श्री पृष्टि ने अपने कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग के लिए सभी कर्मियों का आभार व्यक्त किया।

बैठक में जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन, आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा, जेडीए सचिव निशांत जैन, यूडीएच उप सचिव रवि विजय, राकेश गुप्ता, राष्ट्रदीप यादव, मण्डल सचिव गोपाल सिंह, मुख्य अभियन्ता तेजवीर सिंह मीणा, अमित अग्रवाल, प्रतीक श्रीवास्तव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

योजनाओं के प्रसार-प्रसार में सोशल मीडिया का उपयोग बढ़ाएं -जनसम्पर्क आयुक्त

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य और केन्द्र सरकार की फ्लैगशिप और व्यक्तिगत लाभ की योजनाओं की जानकारी प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाना जनसम्पर्क अधिकारियों का दायित्व है। इसके लिए स्थानीय आवश्यकता और परिस्थितियों को देखते हुए परम्परागत मीडिया माध्यमों के साथ -साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का भी अधिकतम उपयोग करें। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के आयुक्त राकेश शर्मा ने जनसंपर्क सेवा के सभी अधिकारियों के साथ वीसी के माध्यम से बैठक कर ये निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं की जानकारी रियल टाइम में लक्षित वर्ग तक पहुंचाने के लिए जिलों एवं विभिन्न विभागों के सोशल मीडिया हैंडल्स का प्रभावी उपयोग करें।

शर्मा ने वीसी में सभी जनसंपर्क कार्यालयों के प्रभारियों को अधिक से अधिक संख्या में वाट्सएप ग्रुप बनाकर सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों, नीतिगत निर्णयों, उल्लेखनीय प्रगति, विकास कार्यों, महत्त्वपूर्ण फैसलों एवं प्रचार-प्रसार के लिए जनोपयोगी कन्टेंट का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने सामग्री को अधिक पठनीय एवं रोचक बनाने के लिए वीडियो, चार्ट, डायग्राम, ग्राफ आदि का उपयोग करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने आउटडोर मीडिया के माध्यम से सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए जिला स्तर पर विभागों में सतत् समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय अधिकारी आवश्यकतानुसार समय-समय पर सुजस पत्रिका, सुजस बुलेटिन, सुजस आवाज एवं ऑडियो-वीडियो के लिए उपयुक्त कंटेंट भिजवाते हुए प्रचार-प्रसार में अपनी भूमिका को ओर सशक्त बनाने की बात कही। वीसी में आयुक्त राकेश शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार की मंशानुरूप आमजन तक व्यापक एवं समग्र प्रचार-प्रसार को दृष्टिगत रखते हुए आगामी दिनों में पाक्षिक समीक्षा बैठक की जाएगी। समीक्षा वीसी के दौरान अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) डॉ. गोरधन लाल शर्मा, अतिरिक्त निदेशक (सूजस) नर्बदा इंदौरिया, संयुक्त निदेशक मनमोहन हर्ष एवं जसराम मीणा, उपनिदेशकगण विजय खंडेलवाल व कुमार अजय भी उपस्थित रहे।

नगर निकायों में निर्वाचक नामावलियों के प्रारूप का प्रकाशन, 7 अप्रैल तक दर्ज होंगे दावे एवं आपत्तियां

जयपुर @ जागरूक जनता। जिले के नगर निकायों में निर्वाचक नामावलियों के प्रारूप का प्रकाशन मंगलवार को संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारियों द्वारा कर दिया गया है। इसके अंतर्गत नगर निगम जयपुर, नगर परिषद शाहपुरा तथा नगरपालिका दूदू, कानोता, खेजरोली, कालाडेरा, बस्सी, फागी, जमवारामगढ़, मनोहरपुर, वाटिका एवं नरायना शामिल हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी जयपुर श्री मेघराज मीणा ने बताया कि प्रारूप मतदाता सूची पर दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत करने की अवधि 7 अप्रैल तक निर्धारित की गई है।

प्रगतिशील किसान के फार्म का शैक्षिक भ्रमण आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोबनेर। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय , जोबनेर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत द्वितीय दिवस पर प्रतिभागियों को प्रगतिशील किसान श्री सुरेंद्र अवाना के फार्म का शैक्षिक भ्रमण कराया गया। यह भ्रमण प्राकृतिक खेती, एकीकृत कृषि प्रणाली एवं कृषि आधारित उद्यमिता के व्यावहारिक स्वरूप को समझने का अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक अवसर सिद्ध हुआ। इस भ्रमण में लगभग 45 किसानों, कृषि स्नातकों, युवा उद्यमियों एवं विशेषज्ञों ने सक्रिय सहभागिता की। कुलगुरु प्रोफेसर डॉ पुष्पेंद्र सिंह चौहान ने अपने संदेश में कहा कि प्राकृतिक खेती वर्तमान समय में केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि सतत कृषि एवं आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की दिशा में एक अनिवार्य पहल है। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती, डेयरी, मत्स्य पालन एवं इको-टूरिज्म के एकीकृत मॉडल के माध्यम से किसान अपनी आय को कई गुना बढ़ा सकते हैं।

निदेशक अनुसंधान डॉ. उम्मेद सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि कृषि में नवाचार एवं वैज्ञानिक तकनीकों का समावेश ही किसानों की आय वृद्धि का मूल आधार है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्राकृतिक खेती को अनुसंधान आधारित दृष्टिकोण के साथ अपनाने से इसकी उत्पादकता एवं विश्वसनीयता में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। प्रगतिशील किसान गंगाराम सेपट ने कहा कि वर्तमान समय में कृषि को केवल उत्पादन तक सीमित न रखकर उसे उद्यमिता से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण एवं सशक्त विपणन के माध्यम से किसान अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं। भ्रमण के दौरान श्री सुरेंद्र अवाना ने अपने "शिवम डेयरी फार्म" पर अपनाई जा रही जैविक एवं प्राकृतिक विधियों का विस्तृत प्रदर्शन किया।

सम्पादकीय

साइबर सीमाओं की सुरक्षा जरूरी

साइबर और सूचना युद्ध अब आधुनिक संघर्ष के प्रमुख हथियार बन गए हैं। साइबर हमले महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढांचे, आवश्यक सेवाओं और संवेदनशील डेटा को बाधित करते हैं, जिससे आर्थिक और संस्थागत लागत लगातार बढ़ती जाती है। सूचना युद्ध सूक्ष्म प्रकृति का है लेकिन अधिक विनाशकारी होता है। यह सामाजिक एकता को छिन्न-भिन्न कर देता है, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को विकृत करता है और सरकार के संस्थानों में विश्वास को खत्म कर देता है। ये दोनों मिलकर शांति और युद्ध के पारंपरिक विभाजन की रेखा को धुंधला कर देते हैं। इनकी तीव्रता कम होती है, इनका पारंपरिक युद्ध से नीचे का स्तर होता है लेकिन इनका फैलाव होता रहता है। ऐसे में इनके सामरिक प्रयोजन का निरंतर आकलन करना अति आवश्यक है। अन्यथा निरंतर जारी शत्रुतापूर्ण अभियानों के बारे में आसानी से मान लिया जाएगा कि वे केवल कोई तकनीकी या प्रशासनिक विफलता का नतीजा हैं। भारत में साइबर और सूचना युद्ध का पैमाना और प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है। वर्ष 2018 में, कॉसमॉस बैंक को कथित तौर पर साइबर चोरी में 1.3 करोड़ डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ। वर्ष 2020-21 के दौरान, कथित तौर पर 10 से अधिक बिजली संयंत्रों और बंदरगाहों में मैलवेयर डाला गया, जिससे बिजली कटौती और बंदरगाहों के कामकाज में व्यवधान की आशंका पैदा हुई। वर्ष 2022 में हुए रैंसमवेयर हमले ने एम्स दिल्ली को कई दिनों तक ठप कर दिया, जबकि 2025 में एक प्रमुख औद्योगिक घराने से 1.4 टेराबाइट डेटा की कथित चोरी ने बढ़ते आर्थिक जासूसी को उजागर किया। सर्ट-इन के आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि ऐसी घटनाएं 2017 में लगभग 53,000 से बढ़कर अब प्रति वर्ष लाखों में पहुंच गई हैं।

इसी के साथ, सूचना युद्ध छिटपुट गलत सूचनाओं से आगे बढ़कर निरंतर, प्रौद्योगिकी-आधारित प्रभाव अभियानों में तब्दील हो गया है। वर्ष 2019-20 के सीएए और एनआरसी आंदोलन के दौरान शत्रु देशों से जुड़े समन्वित अभियानों ने मुस्लिम विरोधी झूठे आख्यानों को बढ़ावा दिया, जिससे सांप्रदायिक तनाव भड़का और भारत की वैश्विक छवि को नुकसान पहुंचा। वर्ष 2024 के चुनावों में मतदाताओं की धारणाओं को प्रभावित करने के उद्देश्य से हजारों डीपफेक और बढ़े पैमाने पर कृत्रिम मीडिया अभियान चलाए गए। हाल ही में कश्मीर पर बॉट नेटवर्क, डीपफेक और मनगढ़ंत आख्यान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से फैलते देखे गए। ये आकस्मिक झूठ नहीं हैं, बल्कि सुनियोजित अभियान हैं जो सामाजिक कमजोरियों का फायदा उठाते हैं। तथ्य-जांच और खंडन तंत्र एक झूठ को हटाने का प्रयास करते हैं, लेकिन कई झूठ उसकी जगह ले लेते हैं।

किसी भी प्रभावी प्रतिक्रिया की रूपरेखा तैयार करते समय इन क्षेत्रों की अनूठी विशेषताओं को ध्यान में रखना आवश्यक है। विवादित क्षेत्र का अधिकांश भाग, जिसमें डेटा सेंटर, क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर और दूरसंचार नेटवर्क शामिल हैं, निजी स्वामित्व में है, जिससे प्रौद्योगिकी कंपनियों की, परोक्ष रूप से मात्र मददगार के बजाय, वास्तविक रूप से रणनीतिक भूमिका होती है। छिटपुट आतंकी हमलों के विपरीत, इन क्षेत्रों में होने वाले ऑपरेशन लगातार चलते रहते हैं। इनकी कम लागत और न्यूनतम प्रवेश बाधाओं के कारण शत्रु देश आसानी से गैर-सरकारी संगठनों को ऑपरेशन सौंप सकते हैं, जिससे अस्वीकार्य और व्यापक हमले संभव हो पाते हैं। स्वचालन से बार-बार साइबर घुसपैठ, बॉट-चालित प्रसार और बड़े पैमाने पर डीपफेक का निर्माण संभव हो पाता है।

बेचैन दर्शक : कहानियां बयां करने के बदलते तरीके

दिलीप शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अगर कहानियां दिमाग को तरोताजा कराने और जागरूक बनाने का जरिया हैं तो उन्हें देखने का हमारा तरीका बदल गया है। अगर वे कला का एक नमूना हैं तो हमारा नजरिया बदल गया है

नीरज पांडे की 'तस्करीः द स्मगलर्स वेब' (नेटफ्लिक्स पर) हवाई अड्डे के सेट पर फिल्माई गई रोमांचक सीरीज है। इसकी कहानी बिल्कुल सीधी-सादी है। ईमानदार सीमा शुल्क अधिकारी व्यवस्था के अंदर और बाहर दोनों जगह सोना, हैंडबैग, घड़ियां और नशीली दवाओं (ड्रग्स) जैसी चीजों की तस्करी रोकने के लिए जूझते दिखते हैं। मगर इस फिल्म की पटकथा पेश करने का जो तरीका अपनाया गया है वह अनोखा है।

कहानी की गति रुक-रुक कर चलती है, दृश्य बहुत चमकीले लगते हैं, चेहरे फोटोशॉप किए हुए से लगते हैं मानो आप कई छोटे वीडियो देख रहे हों। कुछ फ्लैशबैक एनीमे शैली के हैं। इस साल जनवरी में रिलीज होने के तुरंत बाद 'तस्करी' नेटफ्लिक्स पर वैश्विक तालिका में सबसे ऊंचे पायदान पर पहुंच गई और तीन सप्ताह तक वहीं बनी रही।

आदित्य धर की 'धुरंधर'(हाल के समय की सबसे हिट फिल्मों में से एक) जासूसों की कहानी बताने के लिए एक अनोखे, आठ-चैप्टर वाले कथानक का उपयोग करती है। ध्यान दें कि ये 'सेवरेंस' या 'प्लुरिबस' जैसी अनोखी कहानियां नहीं हैं, जो ऐपल टीवी पर उपलब्ध हैं। ये बस ऐसी कहानियां हैं जो सौंदर्य और अन्य दृष्टि से एक नए तरीके से तैयार की गई हैं। पिछले एक दशक में सामग्री की बाढ़ से प्रभावित नए दर्शकों को समझने की कोशिश कर रहे कहानीकारों के लिए ये फिल्में उम्मीद की एक किरण लेकर आई हैं।

भारत में अब 900 से अधिक टीवी चैनल, हजारों समाचार पत्र और 860 से अधिक रेडियो चैनल हैं। हम एक सामान्य वर्ष में 1,600 से अधिक फिल्में बनाते हैं। स्ट्रीमिंग को लोकप्रिय हुए एक दशक से अधिक समय हो गया है और शॉर्ट वीडियो को आए छह साल हो गए हैं। पिछले दो वर्षों में इस सूची में अति संक्षिप्त नाटक (माइक्रो ड्रामा) भी जुड़ गए हैं। 60 से अधिक वीडियो स्ट्रीमिंग ऐप और एक दर्जन संगीत स्ट्रीमिंग ऐप के साथ अब सामग्री का एक विशाल भंडार उपलब्ध है। इसकी व्यापकता का अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि यूट्यूब हर मिनट 500 घंटे का वीडियो अपलोड करता है। यह लेख केवल उन 52.3 करोड़ भारतीयों की बात

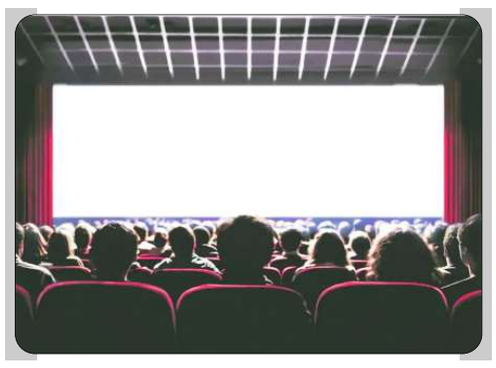

कर रहा है जो ब्रॉडबैंड इंटरनेट से जुड़े लैपटॉप, टीवी या फोन का उपयोग करते हैं। अब अधिक सामग्री देखने के पहलू पर विचार करते हैं। हम बिल्ली और कुत्ते के वीडियो से लेकर वेब सीरीज, दोस्त की शादी के डांस वीडियो, उडोन नूडल्स बनाने के वीडियो और पूरी फिल्म तक न जाने कितनी चीजें देखते रहते हैं। अलग-अलग शैलियों, भाषाओं, देशों और संस्कृतियों के बीच लगातार विचरते रहने से हमारे दिमाग में एक तरह का बदलाव आया है जिसका अध्ययन दुनिया भर के शोधकर्ता कर रहे हैं। एक अध्ययन में पाया गया है कि ज्यादा स्क्रीन इस्तेमाल करने वालों का ध्यान सिर्फ 8 सेकंड तक ही टिक पाता है, जो एक गोल्डफिश के 9 सेकंड से भी कम है। अब सवाल है कि इस दर्शक वर्ग को कहानी कैसे सुनाई जाए? अगर कहानियां दिमाग को तरोताजा कराने और जागरूक बनाने का जरिया हैं तो उन्हें देखने का हमारा तरीका बदल गया है। अगर वे कला का एक नमूना हैं तो हमारा नजरिया बदल गया है। इसके लिए कहानियों में नहीं बल्कि कहानी कहने के तरीके या इसकी शैली में बदलाव की जरूरत है ताकि यह कहानियों की भरमार और अतिशयता में अलग दिखे और लोगों को समझने, सराहना करने और बार-बार देखने के लिए खींच सके। 'तस्करी' या 'धुरंधर' के निर्माता यही कोशिश कर रहे हैं। इस व्यवसाय की अर्थव्यवस्था उनकी इस क्षमता पर निर्भर करती है। यहां दो बातें ध्यान देने योग्य हैं। पहली बात, यह सिर्फ सामग्री देखने में बिताए गए समय की बात नहीं है। कॉमस्कोर के आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर 2025 में भारत में ऑनलाइन उपभोग (समाचार, मनोरंजन और सोशल मीडिया) प्रतिदिन 2 घंटे था। टीवी (लगभग 4 घंटे) और अन्य मीडिया को शामिल कर दें तो यह आंकड़ा एक तिहाई से अधिक भारतीयों के लिए प्रतिदिन 7-8 घंटे के करीब पहुंच जाता है। यह औसत पिछले कुछ वर्षों से बना हुआ है। दूसरी बात, यहां मसला 'सामग्री की गुणवत्ता' का नहीं है। 'कोहरा' (नेटफ्लिक्स) और 'द फैमिली मैन' (एमेजॉन प्राइम वीडियो) से लेकर 'फ्रीडम ऐट मिडनाइट' (सोनीलिव) तक भारतीय स्टूडियो विश्व-स्तरीय शो और फिल्में बना रहे हैं। 'इक्कीस', 'मंजुम्मेल बॉयज', '12वीं फेल' या 'लापता लेडीज' जैसी फिल्में उल्लेखनीय हैं। मसला फिल्म निर्माण या कहानी कहने के नए तरीके की जरूरत के बारे में है। यह सब कुछ दशकों में दिखता है। यश चोपड़ा ने 1965 में फिल्म 'वक्त' बनाकर इसे बदल दिया। कई सितारों वाली भारत की पहली इस फिल्म में चार समानांतर कहानियां हैं जो अंत में एक जगह मिल जाती हैं। ऐसे दौर में जब कहानियां ज्यादातर सीधी-सादी होती थीं और दो किरदारों के घिसे-पिटे स्वरूप पर आधारित होती थीं उस समय 'वक्त'भीड़ से अलग हटकर एक बड़ी हिट बन गई। जल्द ही कई सितारों वाली बिछुड़ने और मिलने के फॉर्मूले पर आधारित फिल्मों का चलन शुरू हो गया। 1980 के दशक में गोविंद निहलानी की 'अर्ध सत्य' या कुंदन शाह की 'जाने भी दो यारो' जैसी फिल्मों में यथार्थवाद कहानी कहने का तरीका बन गया। उनका लहजा और अंदाज उस दौर की औसत दर्जे की फिल्मों की तुलना में कहीं अधिक यथार्थवादी और वास्तविक था। कहानियां वही थीं- दोस्ती, न्याय, प्यार और परिवार।

अब बात करते हैं 2001 के बाद की फिल्मों की यानी उस साल फरहान अख्तर की आई फिल्म 'दिल चाहता है' के बाद के एक दशक की। फिल्मों का रूप-रंग नया हो गया, कहानियां ज्यादा वास्तविक लगने लगीं और निर्माण का स्तर बढ़ गया। 'कमीने' और 'रंग दे बसंती' से लेकर 'कल हो ना हो' और 'चक दे इंडिया' तक जैसी फिल्में आकर्षक और खुशनुमा लगने लगीं। इनमें से प्रत्येक बदलाव आर्थिक और सामाजिक कारकों से प्रेरित था। उदाहरण के लिए नई शताब्दी के आरंभ में मल्टीप्लेक्सों का उदय। संपन्न दर्शक जिन्होंने सिनेमाघरों से दूरी बना ली थी और घर पर वीडियो और सैटेलाइट टेलीविजन देख रहे थे, वे धीरे-धीरे वापस लौटने लगे।

आखर आखर झरे उजियार

पनिहारी से हार गए कालीदास

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

महाकवि कालिदास को यात्रा के समय गहरी प्यास लगी। वो एक कुए तक पहुँचे,जहाँ एक स्त्री पानी भरने में व्यस्त थी। उन्होंने पानी पिलाने का अनुरोध किया। स्त्री बोली, पहले अपना परिचय दीजिए। ज्ञान के गर्व के वशीभूत कालिदास ने अपना नाम नहीं बता कर कह दिया, मैं अतिथि हूँ। स्त्री बोली, अतिथि तो दो ही हैं पहला, यौवन दूसरा, धन। स्त्री के उत्तर से प्रभावित होकर उन्होंने कहा, मैं सहनशील हूँ। स्त्री ने तुरंत कहा,सहनशील तो दो ही है पहला,धरती जो हमारा भार उठाती है और दूसरा, पेड़ जो पत्थर का प्रहार सह कर भी हमें फल प्रदान करता है। आश्चर्यचकित महाकवि ने स्वयं को हठी बताया तो स्त्री बोली, हठी तो नाखून और बाल होते हैं,जो बार बार काटे जाने पर भी बढ़ते रहते हैं। अब कालिदास ने हार मान ली. बोले, मैं मूर्ख हूँ। स्त्री ने कहा,मूर्ख तो दो ही हैं. एक एक राजा जो अयोग्य होकर भी राज करता है और दूसरा दरबारी जो हमेशा राजा की मिथ्या प्रशंसा में संलग्न रहता है। पराजित कवि कालिदास स्त्री के चरणों में शरण लेते हुए बोले, प्यास गहरी लगी है, कृपया अब तो पानी पिलायें।

सरकारी अस्पतालों में दूर-दराज़ से आने वाले मरीजों की सुविधा पर विशेष ध्यान आवश्यक

संदीप पारीक
समाजविद्
@jagrukjanta.net

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बड़े सरकारी अस्पतालों में प्रतिदिन दूर-दराज़ के गांवों और कस्बों से अनेक मरीज अपने परिजनों के साथ इलाज की उम्मीद लेकर पहुंचते हैं। इनमें से अधिकांश लोग आर्थिक रूप से कमजोर होते हैं और अस्पताल की व्यवस्थाओं, प्रक्रियाओं तथा विभिन्न विभागों की जानकारी से अनभिज्ञ होते हैं। सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए पर्ची बनवाने से लेकर जांच, दवाइयां और अन्य औपचारिकताएं पूरी करनी पड़ती हैं। बाहर से आए मरीजों और उनके साथ आए परिजनों के लिए यह सब समझना कई बार कठिन हो जाता है। उन्हें यह भी पता नहीं होता कि किस काउंटर पर जाना है, कहां जांच होगी या दवा कहां से प्राप्त होगी। ऐसी स्थिति में अस्पताल में तैनात कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। अधिकतर कर्मचारी और सुरक्षा कर्मी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन अच्छे तरीके से करते हैं और मरीजों की सहायता भी करते हैं। हालांकि कहीं-कहीं यह भी देखने में आता है कि कुछ स्थानों पर मरीजों को पर्याप्त मार्गदर्शन नहीं मिल पाता, जिससे उन्हें अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ती है। इसलिए अस्पताल प्रशासन और संबंधित विभागों को चाहिए कि अस्पतालों में उचित सूचना व्यवस्था, मार्गदर्शन काउंटर और कर्मचारियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए, ताकि दूर-दराज़ से आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। अस्पताल वह स्थान है जहां हर व्यक्ति उम्मीद और भरोसे के साथ पहुंचता है। ऐसे में यदि व्यवस्था थोड़ी और संवेदनशील, सहयोगी और सुव्यवस्थित हो जाए तो निश्चित रूप से मरीजों को बेहतर सुविधा और संतोष मिल सकेगा।

संवाद से समाधानः जेडीए के संवाद कार्यक्रम के तहत आयोजित हुई हितधारक संवाद बैठक

» जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) आयुक्त सिद्धार्थ महाजन की अध्यक्षता में मंगलवार को स्टेक होल्डर्स बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें CREDAI और TODAR के प्रतिनिधियों सहित निर्माण क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों ने भाग लिया। यह बैठक संवाद कार्यक्रम के तहत आयोजित की गई , जिसके तहत समय–समय पर हितधारकों एवं आमजन के साथ बैठक कर सीधा संवाद स्थापित किया जा रहा है एवं उनकी समस्याओं का हाथों हाथ निस्तारण किया जा रहा है ।

बैठक में शहर के सुनियोजित विकास को लेकर सार्थक और विस्तृत चर्चा हुई। इसमें बेहतर निर्माण मानकों को अपनाने, आवासीय योजनाओं में पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने, सुगम एवं चौड़ी एप्रोच रोड विकसित करने तथा अवैध अतिक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने कहा कि नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा के मार्गदर्शन में जेडीए का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं बल्कि उन्हें व्यवहारिक और नागरिकों के लिए सुविधाजनक बनाना है। इसके लिए सभी स्टेक होल्डर्स के साथ निरंतर संवाद आवश्यक है ताकि जमीनी स्तर की चुनौतियों को समझकर उनका समयबद्ध समाधान किया जा सके। बैठक में उपस्थित स्टेकहोल्डर्स ने जेडीए द्वारा शुरू की गई इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के नियमित संवाद से पारदर्शिता बढ़ी है और उनकी समस्याओं को सीधे प्रशासन तक रखने का प्रभावी मंच मिला है। उन्होंने संतोष और प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जेडीए की यह पहल शहर के सुव्यवस्थित और संतुलित विकास में मील का पत्थर साबित होगी।

जेडीए द्वारा इसी तरह हितधारकों से संवाद कार्यक्रम का आयोजन भविष्य में भी नियमित रूप से जारी रखा जाएगा, जिससे जयपुर के शहरी विकास को नई गति मिल सके। इस बैठक में सचिव निशांत जैन, अतिरिक्त आयुक्त डॉ प्रिया बलराम, प्रतिभा पारीक, निदेशक टाउन प्लानिंग मृणाल जोशी सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे ।

उच्च जोखिम वाले ग्रामों एवं शहरी क्षेत्रों में होगा आयुष्मान आरोग्य शिविरों का आयोजन

जयपुर @ जागरूक जनता। विश्व टीबी दिवस के अवसर पर राज्य में "टीबी मुक्त भारत अभियान-100 दिवसीय" का शुभारंभ सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के सभागार में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर चिकित्सा मंत्री ने कहा कि टीबी (क्षय रोग) केवल एक बीमारी नहीं, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक एवं मानसिक रूप से व्यक्ति एवं परिवार को प्रभावित करने वाली एक गंभीर चुनौती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "टीबी मुक्त भारत" के संकल्प की दिशा में राजस्थान पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

ओपिनियन

माहवारी बीमारी नहीं, एक सामान्य प्रक्रिया

डॉ. मोनिका शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

माहवारी बंद होना जीवन का अंत नहीं, बल्कि एक नए चरण की शुरुआत है। जरूरत है सही जानकारी, जागरूकता और सकारात्मक सोच की। समाज में इस विषय पर खुलकर बात की जाए और डॉक्टरों की सलाह को महत्व दिया जाए, तो महिलाएं इस चरण को बिना डर और तनाव के बेहतर तरीके से जी सकती हैं।

महिलाओं में माहवारी एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। इसके शुरू होने और इसके बंद होने का समय भी लगभग तय है। यह 10 से 15 साल की आयु में शुरु हो जाती है और 45 से 50 साल की उम्र तक बंद हो जाती है। इसे रजोनिवृत्ति भी कहते हैं। वर्तमान में खान-पान और तनावभरी जिंदगी के कारण रजोनिवृत्ति की आयु घट रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, माहवारी करीब 5 साल घट गई है। अब औसतन 40 से 45 साल के बीच ही रजोनिवृत्ति हो जाती है। पहले यह आंकडा 5 प्रतिशत हुआ करता था, जो अब बढकर 16 प्रतिशत तक पहुंच चुका है।

भारत में पश्चिमी देशों की तुलना में रजोनिवृत्ति की आयु कम है। यह वह समय होता है, जब महिलाओं के शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन का स्तर घटने लगता है और प्रजनन क्षमता समाप्त हो जाती है। हालांकि यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, लेकिन इसके साथ आने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक बदलाव महिलाओं के जीवन को गहराई से प्रभावित करते हैं। महिलाओं को रजोनिवृत्ति के बाद होने वाले शारीरिक बदलावों को लेकर भी सतर्क रहने की जरूरत है। वह यह समझ ही नहीं पाती है कि क्या हो रहा है। इन बदलावों को लेकर उसे घबराना नहीं चाहिए।

रजोनिवृत्ति के दौरान महिलाओं को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। शरीर में अचानक गर्मी लगना (हॉट फ्लैश), अत्यधिक पसीना, नींद की कमी, थकान, वजन बढ़ना और हड्डियों का कमजोर होना आम शारीरिक लक्षण हैं। इसके साथ ही मानसिक स्तर पर चिड़चिड़ापन, मूड स्विंग, चिंता और अवसाद जैसी समस्याएं भी देखी जाती हैं। कई महिलाओं को योनि में सूखापन और यौन इच्छा में कमी जैसी समस्याएं भी होती हैं, जिससे उनके व्यक्तिगत जीवन पर असर पड़ता है। डॉक्टरों के अनुसार, अधिकांश महिलाएं इस चरण में किसी न किसी रूप में लक्षण अनुभव करती हैं, लेकिन इनकी तीव्रता अलग-अलग हो सकती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि रजोनिवृत्ति कोई बीमारी नहीं, बल्कि शरीर का प्राकृतिक बदलाव है। हालांकि इसे नजरअंदाज करना भी सही नहीं है। डॉक्टर सलाह देते हैं कि यदि लक्षण ज्यादा परेशान कर रहे हों, तो समय पर जांच और इलाज जरूरी है। हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी कुछ मामलों में फायदेमंद हो सकती है, लेकिन इसे केवल विशेषज्ञ की सलाह पर ही लेना चाहिए। डॉक्टर यह भी बताते हैं कि जीवन शैली जैसे संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, तनाव नियंत्रण और पर्याप्त नींद इस अवस्था को सहज बनाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आज के समय में एक महत्वपूर्ण सवाल यह उठ रहा है कि क्या माहवारी बंद होने की उम्र घट रही है?

अध्ययन बताते हैं कि भारत में कुछ महिलाओं में रजोनिवृत्ति अपेक्षाकृत कम उम्र में होने लगी है। यदि 40 वर्ष से पहले माहवारी बंद हो जाए, तो इसे प्रीमैच्योर मेनोपॉज कहा जाता है और 40 से 45 वर्ष के बीच होने को अर्ली मेनोपॉज कहा जाता है। भारत में लगभग 3 से 4 फीसदी महिलाओं में समय से पहले (40 वर्ष से पहले) माहवारी बंद हो जाती है। वहीं 40-44 वर्ष की आयु वर्ग में लगभग 16 फीसदी महिलाओं में अर्ली मेनोपॉज देखा गया है। समय से पहले रजोनिवृत्ति के पीछे कई कारण हो सकते हैं जैसे अत्यधिक तनाव, खराब खान-पान, धूम्रपान, हार्मोनल असंतुलन, थायरॉयड की समस्या, प्रदूषण और बदलती जीवन शैली। आज की तेज रफ्तार जिंदगी, काम का दबाव और अनियमित दिनचर्या भी इस बदलाव को प्रभावित कर रहे हैं। हालांकि यह कहना पूरी तरह सही नहीं होगा कि हर महिला में उम्र तेजी से घट रही है, लेकिन यह एक बढ़ती हुई स्वास्थ्य चिंता जरूर बनती जा रही है।

भारत में रजोनिवृत्ति को लेकर कई भ्रांतियां भी प्रचलित हैं, जो महिलाओं की परेशानी को और बढ़ा देती हैं। बहुत से लोग इसे बीमारी मानते हैं, जबकि यह एक सामान्य प्रक्रिया है। कुछ जगहों पर यह भी माना जाता है कि रजोनिवृत्ति के बाद महिला की उपयोगिता कम हो जाती है, जो पूरी तरह गलत है। यौन जीवन समाप्त हो जाना, डॉक्टर के पास जाने की जरूरत न होना और इस विषय पर बात करना शर्म की बात समझना ये सभी मिथक हैं। इन भ्रांतियों के कारण महिलाएं सही जानकारी और इलाज से वंचित रह जाती हैं। इन समस्याओं से पूरी तरह बचा नहीं जा सकता, लेकिन इनके प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

संतुलित आहार, जिसमें कैल्शियम और विटामिन डी शामिल हो, नियमित व्यायाम जैसे योग और वॉक, मानसिक स्वास्थ्य के लिए ध्यान और बातचीत और नियमित स्वास्थ्य जांच ये सभी उपाय बहुत प्रभावी हैं। साथ ही धूम्रपान और शराब जैसी आदतों से दूरी बनाए रखना भी जरूरी है।

अंततः माहवारी बंद होना जीवन का अंत नहीं, बल्कि एक नए चरण की शुरुआत है। जरूरत है सही जानकारी, जागरूकता और सकारात्मक सोच की। यदि समाज में इस विषय पर खुलकर बात की जाए और डॉक्टरों की सलाह को महत्व दिया जाए, तो महिलाएं इस चरण को बिना डर और तनाव के बेहतर तरीके से जी सकती हैं।

पंचांग

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 25/03/2026

सूर्योदय : 06:29 **सूर्यास्त :** 18:36 **चन्द्रोदय :** 10:59 **चन्द्रास्त :** 00:38 **शक सम्वत :** 1947 विश्वावसु **विक्रम संवत् :** 2083 कालयुक्त **अमान्ता महीना :** चैत्र **पूर्णिमांत :** चैत्र **सूर्य राशि :** मीन **चन्द्र राशि :** मिथुन **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** सप्तमी, 13:52 तक **वार :** बुधवार**द्रिक-वैदिक ऋतु :** वसन्त **द्रिक-वैदिक अयन :** उत्तरायण **कलियुग :** 5127 वर्ष

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्रः मृगशीर्षा, 17:34 तक
योग : सौभाग्य, 27:10 तक
प्रथम करण : वणिजा, 13:52 तक
द्वितीय करण : विष्टि, 24:50 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:02 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:22 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:39 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	07:04 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	07:18 पी एम से
अमृत काल	09:06 पी एम से
निशिता मुहूर्त	12:00 ए एम, जून 9 से
सर्वार्थ सिद्धि योग	04:31 ए एम, जून 9 से

निवास और शूल
दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास : दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : शुक्र
कुंभी चक्र: दक्षिण

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 06:28 - 07:59	उद्वेग	: 18:35 - 20:04
अमृत	: 07:59 - 09:30	शुभ	: 20:04 - 21:33
काल काल वेला	: 09:30 - 11:01	अमृत	: 21:33 - 23:02
शुभ	: 11:01 - 12:32	चर	: 23:02 - 00:31
रोग वार वेला	: 12:32 - 14:03	रोग	: 00:31 - 02:00
उद्वेग	: 14:03 - 15:34	काल	: 02:00 - 03:29
चर	: 15:34 - 17:04	लाभ	: 03:29 - 04:58
लाभ	: 17:04 - 18:35	उद्वेग	: 04:58 - 06:27

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज सप्तमी

आज कौन सा कार्य करें

राज संबंधी कार्य (सरकारी कार्य), व्रतबंध, प्रतिष्ठा, विवाह, यात्रा, भूषणादि के लिए शुभ होते हैं। यात्रा, शिल्प, चूड़ा कर्म, अन्नप्राशन व गृह प्रवेश शुभ है। ऋण नहीं देना चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

चैत्र, शुक्ल, सप्तमी, 2083 बुधवार, 25 मार्च - 31 मार्च, 2026

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते

संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो

व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

वृश्चिक तो,ना,नी, नू,या,यी,यू

नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह

विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे

नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,

परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा

नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशाति बढ़ेगी।

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि

आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

वैश्विक साझेदारी, उन्नत तकनीक और नीतिगत पहल से कृषि क्षेत्र में उभरते नए अवसर

'ग्राम2026' के साथ राजस्थान की कृषि को मिल रहा व्यापक आयाम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

यंत्रीकरण और तकनीकी हस्तक्षेप से बढ़ी उत्पादकता

राज्य सरकार ने कृषि को आधुनिक बनाने के लिए यंत्रीकरण को बढ़ावा दिया है। 1 लाख 10 हज़ार पचास कृषि यंत्रों पर लगभग 283 करोड़ रुपये का अनुदान प्रदान किया गया, जिससे किसानों की लागत में कमी आई और उत्पादकता बढ़ी। तकनीकी नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य "ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम-2026)" जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच का आयोजन कर रहा है। यह आयोजन कृषि क्षेत्र में निवेश, आधुनिक तकनीकों और वैश्विक सहयोग को जोड़ने का कार्य करेगा, जिसमें 75,000 से अधिक किसानों और 250 से अधिक कंपनियों की भागीदारी प्रस्तावित है।

जयपुर। राजस्थान पारंपरिक रूप से एक कृषि प्रधान राज्य रहा है, लेकिन भौगोलिक विषमताओं, सीमित जल संसाधनों और बार-बार आने वाले सूखे जैसी चुनौतियों के कारण यहां कृषि लंबे समय तक जोखिम और अनिश्चितता से जुड़ी रही। वर्षा पर निर्भर खेती, कम उत्पादकता और सीमित तकनीकी हस्तक्षेप के चलते किसानों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। हालांकि, हाल के वर्षों में राज्य सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र में संरचनात्मक सुधार, आधुनिक तकनीकों के उपयोग, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और किसान-केंद्रित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से इस परिदृश्य में उल्लेखनीय बदलाव आया है। आज राजस्थान कृषि नवाचार, उत्पादकता वृद्धि और निवेश के क्षेत्र में तेजी से उभरते हुए राज्यों में शामिल हो रहा है।

किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण की नई दिशा

कृषि क्षेत्र में बदलाव की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी किसानों की आय और आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करना रहा है। इसी उद्देश्य से राज्य सरकार ने केंद्र की योजनाओं के साथ समन्वय स्थापित करते हुए अतिरिक्त सहायता प्रदान की है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को मिलने वाली राशि में राज्य स्तर पर अतिरिक्त सहयोग जोड़कर कुल सहायता को बढ़ाया गया है, जिससे लाखों किसानों को प्रतिवर्ष अधिक आर्थिक संबल मिल रहा है। इसके साथ ही, बड़ी संख्या में किसानों को हजारों करोड़ रुपये के फसली ऋण और ब्याज अनुदान उपलब्ध कराए गए हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत 6565 करोड़ रुपये तक के बीमा क्लेम वितरित किए गए, जिससे प्राकृतिक आपदाओं के समय किसानों को राहत मिली और उनकी जोखिम वहन क्षमता में वृद्धि हुई।

जल प्रबंधन और सिंचाई में संरचनात्मक सुधार

राजस्थान जैसे जल-संकटग्रस्त राज्य में सिंचाई और जल संरक्षण को प्राथमिकता देना एक रणनीतिक निर्णय रहा है। राज्य में 43 हज़ार 844 फार्म पॉण्ड का निर्माण कर वर्षा जल संचयन को बढ़ावा दिया गया है, वहीं 2.23 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में ड्रिप एवं मिनी स्प्रिंकलर प्रणाली स्थापित की गई है। इसके अतिरिक्त, 35 हज़ार 368 से अधिक फार्म पौंड और 302.95 करोड़ रुपए का अनुदान दिया गया इसके अलावा 32 हज़ार 918 किलोमीटर की सिंचाई पाइपलाइन बिछाकर खेतों तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है। साथ ही, 37010 किलोमीटर क्षेत्र में तारबंदी कार्य कर फसलों को सुरक्षा प्रदान की गई है। इन प्रयासों ने जल उपयोग दक्षता में सुधार किया है और खेती को अधिक स्थिर और उत्पादक बनाया है।

नामांकन पत्रों का दाखिला सम्पन्न

पिंकसिटी प्रेस क्लब के वार्षिक चुनाव 30 को

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पिंकसिटी प्रेस क्लब प्रबन्ध कार्यकारिणी के वार्षिक चुनाव 30 मार्च 2026 को सम्पन्न होंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनिल शेखावत ने बताया कि 23 एवं 24 मार्च को नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया पूरी हुई। क्लब प्रबन्ध कार्यकारिणी के 15 पदों के वार्षिक चुनाव के लिए नामांकन पत्र प्राप्त हुए।

अध्यक्ष के एक पद के लिए अभय जोशी, मुकेश कुमार मीणा, रूपेश कुमार टिंकर, रोहित सोनी एवं उपाध्यक्ष के दो पदो के लिए ओमवीर भार्गव, डॉ. मोनिका शर्मा, मणिमाला शर्मा, पुष्पेन्द्र सिंह राजावत और महासचिव के एक पद के लिए अभय सिंह, राजकुमार शर्मा जकड़ी, रामेन्द्र सोलंकी, परमेश्वर प्रसाद शर्मा, कोषाध्यक्ष के एक पद के लिए अनिल त्रिवेदी, नमोनाराण अवस्थी, शालिनी श्रीवास्तव ने नामांकन पत्र दाखिल किए। कार्यकारिणी के दस पदों के लिए अनिता शर्मा, ओम प्रकाश गोयल, उमंग माथुर, छगन लाल शर्मा, डॉ. सैयद शाहनवाज अली, धूलीलाल मीणा (डीसी), निखलेश शर्मा, मतीष पारीक, महेश आचार्य, मुकेश शर्मा, राजीव सिंह भाटी, लोकेन्द्र सिंह फौजदार, विकास आर्य, संजय गौतम (पण्डितजी), संतोष कृष्ण शर्मा, संतोष कुमार शर्मा, संदीप सिंह, सुरेन्द्र सिंह चौहान और ज्ञानेन्द्र मिश्रा के नामांकन पत्र प्राप्त हुए।

शेखावत ने बताया कि नामांकन पत्रों की जांच 25 मार्च 2026 को होगी। नाम वापसी 26 मार्च 2026 को सायं 5 बजे तक है। मतदान 30 मार्च 2026 को प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक रजिस्टर्ड कार्यालय 54, नारायण सिंह सर्किल पर होंगे। निर्वाचन प्रक्रिया में सहयोग के लिए धर्मेन्द्र शेखर, अजय चौहान, मनोज शर्मा, अजीत शर्मा, राजेन्द्र शर्मा, अजय सिंह राठौड, नरेन्द्र सिंह, अरविन्द भूटानी, अजय मिश्रा, मुकेश पारीक को शामिल किया है।

जवाहर सर्किल इलाका: मालवीय नगर में नशे में धुत चालक ने थार से 5 गाड़ियों को मारी टक्कर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मालवीय नगर में रविवार शाम तेज रफ्तार और नशे में ड्राइविंग का खतरनाक मामला सामने आया। जवाहर सर्किल थाना क्षेत्र के गिरधर मार्ग पर एक अनियंत्रित थार ने एक के बाद एक पांच गाड़ियों को टक्कर मार दी। हादसे में दो लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी चालक को पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि युवक नशे की हालत में था। प्रारंभिक जांच में थार के तीन चालान मिले हैं, जिनमें दो ओवरस्पीड और एक सीट बेल्ट से संबंधित है।

बिजली के खंभे से टकराकर रुकी, ओवरस्पीड के दो चालान

पुलिस के अनुसार, थार चालक गिर्राज (25), निवासी बरौनी, टोंक, नशे की हालत में वाहन चला रहा था। वह अपने गांव से जयपुर घूमने आया था और तेज रफ्तार में गाड़ी चलाते हुए नियंत्रण खो बैठा। इसी दौरान उसने सड़क पर चल रही चार से पांच गाड़ियों को टक्कर मार दी। आखिर में उसकी थार एक अन्य कार से टकराकर रुक गई। टक्कर के दौरान एक बिजली का पोल भी क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके चलते एहतियातन इलाके की बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई। सूचना मिलने पर बिजली निगम की टीम भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक जांच में लापरवाही और नशे में ड्राइविंग को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है।

इसने बरपाया कहर

इन गाड़ियों में हुआ नुकसान

टाटा नेक्सॉन सहित 5 गाड़ियों को मारी टक्कर

मालवीय नगर में नशे की हालत में थार ड्राइवर गिर्राज ने टाटा नेक्सॉन सहित 5 गाड़ियों को जोरदार टक्कर मारी है। इसमें टाटा नेक्सॉन को अत्यधिक नुकसान के समाचार है। टाटा नेक्सॉन के ड्राइवर साइड में बम्पर के अलावा एयर बैग भी खुल गये। वहीं, इंजन को नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा नेक्सॉन चालक शैलन्द्र कुमार शर्मा को चोट लगी है। दुर्घटना के समय शर्मा सुन्न हो गये। उन्हें स्थानीय लोगों ने प्राथमिक उपचार दिया। शर्मा ने थार ड्राइवर के खिलाफ एफआईआर लाँच करवाई है।

नर्मदा परिक्रमा पूर्ण करने पर किया स्वागत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रेरणादायी व्यक्तित्व वरिष्ठ पत्रकार शिवदयाल मिश्रा सपत्नी मां नर्मदा की 4000 किलोमीटर लंबी पावन परिक्रमा पांच माह में पूर्ण करने की हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई। उनके निवास स्थान पर जाकर उनका सम्मान करने का सौभाग्य मिला यह हमारे लिए गर्व और प्रेरणा के क्षण है। आपकी यह यात्रा श्रद्धा, समर्पण और अनुशासन का प्रतीक है तथा हमारे समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मां नर्मदा से प्रार्थना है कि आप दीर्घायु हों, सदैव स्वस्थ एवं प्रसन्न रहें तथा समाज एवं राष्ट्र सेवा के पथ पर निरंतर अग्रसर रहें। आपका जीवन सुख, शांति और आनंद से परिपूर्ण रहे। इसी मंगलकामना के साथ सभी (सह संयोजक) जय हिन्द शुभकामना ग्रुप जयपुर, काशीनाथ दीक्षित, गोपाल शर्मा (वरिष्ठ गो सेवक), लोकचंद हरिरामानी, मोहन नामदेव, हरिशंकर गौड,नरेन्द्र गुप्ता, भुवनेश तिवाड़ी, नगेन्द्र वशिष्ठ सहित अनेक प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा महोत्सव के पोस्टर का किया विमोचन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में 2 से 8 अप्रैल तक राजविलास गार्डन में आयोजित श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा महोत्सव का पोस्टर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा द्वारा भव्य रूप से विमोचित किया गया। इस अवसर पर रामलाल शर्मा ने कहा कि सनातन धर्म की रक्षा और समाज में सद्भावना बढ़ाने के लिए ऐसे कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी ने पूर्व विधायक रामलाल शर्मा को आमंत्रित करते हुए निमंत्रण पत्र भेंट किया। कार्यक्रम में चंद्र प्रकाश शर्मा, नरेंद्र सोलंकी, विष्णु दत्त शर्मा, डॉ. सी.एम. सैनी, ओम प्रकाश रीडर, हेमराज यादव, जगदीश कुमावत, दिनेश कुमावत, डॉ. सीताराम कुमावत, दामोदर प्रसाद खांडल, राजस्थान पेंशन मंच अध्यक्ष राधेश्याम यादव, रामपाल कुमावत, रामविलास शर्मा, मोहनलाल सैनी, राजेंद्र काला, भंवरलाल सैनी, ईश्वर माली, कैलाश शर्मा, रामचंद्र शर्मा, कैलाश विवाल, हनुमान शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ज्योतिषि में उत्कृष्ट कार्य के लिए कुलदीप, आयुष्मा सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मेवाड़ विश्वविद्यालय, चित्तौड़गढ़ और एआईएफएएस, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष सेमिनार 2026 में इंजीनियर कुलदीप शर्मा, वैदिक ज्योतिषी एवं केपी विशेषज्ञ तथा सेलिब्रिटी टैरो ज्योतिषी आयुष्मा दीक्षित को उत्कृष्ट समन्वयक के रूप में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार गदिया, ज्योतिष विभाग के डीन डॉ. ओमप्रकाश शर्मा तथा एआईएफएएस के अध्यक्ष डॉ. अरुण बंसल ने उन्हें सम्मानित करते हुए उनके द्वारा सेमिनार के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। सेमिनार में देश-विदेश से आए ज्योतिष विद्वानों और विशेषज्ञों की उपस्थिति में दोनों समन्वयकों के कार्य की विशेष प्रशंसा की गई। कार्यक्रम के सफल संचालन और उत्कृष्ट समन्वय के लिए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया, जो उनके समर्पण, नेतृत्व क्षमता और ज्योतिष के क्षेत्र में सक्रिय योगदान का प्रतीक है।

माही ने प्राप्त किए 92 प्रतिशत अंक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने जारी किया। परिणाम आंकड़ों में एक बार फिर छात्राओं का दबदबा देखने को मिला है। इस बार कुल पास 94.23% छात्र पास हुए। इनमें छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फिर से बाजी मारी। छात्रों का पास प्रतिशत 93.63% जबकि छात्राओं का 94.90% दर्ज किया गया। इसी कड़ी में जागरूक जनता समाचार पत्र के वितरण विभाग में कार्य कर चुके सोहन लाल वर्मा की बेटी माही ने 92.17 प्रतिशत अंक कर माता पूनम और पिता सोहन लाल वर्मा के साथ पूरे परिवार का नाम रोशन किया है। माही को जागरूक जनता परिवार की ओर से शुभकामनाएं।

एलएनएमआईआईटी का दीक्षांत समारोह 28 को

जयपुर @ जागरूक जनता। एलएनएम इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी 'एलएनएमआईआईटी' संस्थान के निदेशक प्रो. राहुल बनर्जी ने ने बताया कि संस्थान का 19वाँ दीक्षांतसमारोह 28 मार्च को आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर ए आईआईआईटी हैदराबाद केनिदेशक प्रो. संदीप कुमार शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान करेंगे। इस वर्ष कुल 504 बीटेक, 18 समेकित बीटेक, एमटेक, 1 एमटेक, 12 एमएससी तथा 9 पीएचडी, विद्यार्थियों को डिग्रियाँ प्रदान की जाएंगी।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल तारानगर (चूरू) राज.

क्रमांक/न.पा.ता./2025-26/8419 दिनांक :-19.03.2026

निविदा सूचना

सर्व साधारण एवं पंजीकृत संवेदक/फर्मो को सूचित किया जाता है, कि वितिय वर्ष 2026-27 के लिए निविदा आंमत्रित की जाती है, निविदा दिनांक 30.03.2026 को दोपहर 02.00 बजे तक विक्रय की जाकर दिनांक 30.03.2026 को सांय 4:00 बजे तक निविदा कॉपी प्राप्त कर उसी दिन 05:00 बजे उपस्थित संवेदको के समक्ष खोली जायेगी। किसी कारणवंश उक्त दिनांक को अवकाश की स्थिति में आगामी कार्य दिवस में की जावेगी।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाखों) में	धरोहर राशि	निविदा शुल्क
1.	पालिका कार्य हेतु अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर (उच्च कुशल)	8.00	16000	500

शर्ते :-
1. सशर्त ठेका/निविदा मान्य नही होगा।
2. शर्ते किसी भी कार्यादिवस में कार्यालय समय में देखी जा सकती है।
3. निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार बिना कारण बताये पालिका के पास सुरक्षित होगा।
4. राज्य सरकार द्वारा ऑपरेटर की न्यूनतम दर प्राप्त होने पर निविदा स्वीकार नहीं की जावेगी।
5. फर्म का किसी संस्था जीएससी रजिस्ट्रेशन/श्रम विभाग में रजिस्ट्रेशन/पीएफ/ईएसआई/आयकर नम्बर होना चाहिए।
6. फर्म के पास राजकीय कार्यालय से कम से कम 2 वर्ष का सन्तोषजनक अनुभव प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा।
7. इस निविदा को sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।

(अजय प्रताप सिंह)
अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका तारानगर

छोटी-मोटी बीमारी में

बुखार है, बदन या दांत में तेज दर्द होने लगा या फिर लूज मोशंस। दूसरी स्थिति आज संडे है या फिर ऐसी जगह पर हों जहां डॉक्टर उपलब्ध न हो और फौरन ही दवा लेने की जरूरत हो। ऐसे में क्या करें? यहां पर कुछ ऑप्शंस दिए जा रहे हैं। सामान्य बीमारियों में अंग्रेजी दवाओं के आयुर्वेद, होम्योपैथी आदि में क्या-क्या विकल्प हो सकते हैं। **जागरूक जनता किसी भी दवा के उपयोग का दावा नहीं करता है।**

रात-बेरात अंग्रेजी दवाएं और उनके विकल्प

यह तब लागू...

- सामान्य परिस्थितितियों के लिए
- यहां जिन दवाओं के बारे में बताया गया है, ये सामान्य लोगों के लिए हैं।
- अगर कोई बीमार या गंभीर बीमार नहीं है, किसी को कोई एलर्जी या दूसरी परेशानी नहीं हो तब ही यहां बताए विकल्पों को चुनें।
- यहां फौरी इलाज यानी पहले दिन के लिए ऑप्शंस बताए गए हैं, उसी दिन या अगले दिन अपने डॉक्टर से जरूर मिलें।

यह तब लागू नहीं...

गंभीर या आपातकालीन स्थितियों के लिए:

- तेज बुखार (101 फारेनहाइट से ऊपर हो)
- बहुत ज्यादा दस्त या उल्टी के साथ डिहाइड्रेशन हो
- शरीर में कहीं से ब्लीडिंग हो
- हाई से जुड़ी परेशानियों में
- ऐसा इन्फेक्शन जिसमें ऐंटिबायोटिक की सख्त जरूरत हो
- बच्चा या बुजुर्ग या प्रेग्नेंट लेडी तो भी यहां बताए ऑप्शन को न चुनें।

सबसे जरूरी सलाह

यह कोई मेडिकल एडवाइस (चिकित्सा सलाह) नहीं है। सिर्फ इमरजेंसी में जब कोई डॉक्टर उपलब्ध न हो, रात हो तभी फौरी राहत के लिए ये दवाएं ले सकते हैं। लेकिन बाद में किसी डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

बीमारी	अंग्रेजी दवाएं	आयुर्वेदिक उपाय	होम्योपैथिक दवाएं	घरेलू नुस्खे
	कितनी मात्रा में कौन-सी दवा लेनी है, यह नीचे बताया जा रहा है।			
बुखार (101 F से कम)	**Paracetamol** - Crocin/ Calpol/ Dolo	संजीवनी वटी/ सुदर्शन क्वाथ/ मृत्युंजय रस	**Eupatorium Perfoliatum/ Ferrum Phos/ Bryonia Alba**	शरीर को बुखार में सबसे ज्यादा जरूरत आराम की होती है, इसलिए आराम जरूर करना चाहिए। 1 चम्मच अदरक का रस और 1 चम्मच शहद मिलाकर दिन में 2-3 बार लें। इसके अलावा 10-15 किशमिश रात को पानी में भिगो दें और सुबह मसलकर छान लें और पानी पी लें। इम्यूनिटी से लड़ने में मदद करती है।
सिरदर्द	**Aspirin**- Disprin/ Ibugesic	गोदंती भस्म/ पथ्यादि क्वाथ/ सूतशेखर रस/ शिरःशूलादि वज्र रस	**Belladonna/ Sanguinaria Canadensis/ Spigelia**	तुलसी (4 से 5 पत्ते), गिलोय (एक छोटा टुकड़ा करीब 3 से 4 इंच का) और पिप्पली चूर्ण (आधा से एक चुटकी) का काढ़ा। इसमें पीते समय शहद भी मिला सकते हैं।
मांसपेशियों और जोड़ों का दर्द	**Diclofenac Gel**- Volini/ Moov/ Dynapar Gel	संजीवनी वटी/ त्रिभुवनकीर्ति रस	**Rhus tox, Arnica Montana, Bryonia**	तिल का तेल या सरसों का तेल गुनगुना करें, उसमें 1-2 कपूर के टुकड़े मिलाकर जोड़ों और पूरे बदन पर धीरे-धीरे मालिश करें। इसे दिन में 2 से 3 बार करें। रात में सोते समय जरूर करें।
दांत दर्द	**Ibuprofen**- Brufen/ Ibugesic/ Advil/ Disprin/ Ketorol	संजीवनी वटी/ त्रिभुवनकीर्ति रस	**Plantago, Pulsatilla , Chamomilla, Mag phos**	दांतों की सफाई सही से होनी चाहिए। गर्म पानी में नमक डालकर कुल्ला और गरारे करने से फायदा होता है। इसके अलावा लौंग तेल लगाने से भी राहत मिलती है।
गैस, एसिड रिफ्लक्स अपच	**Antacids**- Digene/ Gelusil/ Eno/ Unienzyme/ PAN 40	हिंग्वाष्टक चूर्ण/ शंख वटी/ सूतशेखर रस/ गंधक/ चित्रकादि वटी	गैसः **Carbo Veg, Mag phos**, अपच-**Nux vomica**, उल्टी- **Ipecac**	अपच, गैस, एसिडिटी में जीरा/अजवाइन को एक कप पानी में उबालें और जब आधा कप रह जाए तो छानकर पी लें। इससे न सिर्फ अपच और उल्टी में फायदा होगा बल्कि खाने की इच्छा भी पैदा होगी। आधा चम्मच अजवाइन भी चबा सकते हैं।
लूज़ मोशंस और पेट दर्द	**Activated Charcoal**- Tablets CharcoCaps/ Norit	शंख वटी/ संजीवनी वटी/ आनंद भैरव	लूज मोशंस-**Aloe soc., Sulphur**, पेट दर्द- **Dioscorea, Mag phos**	खाने में बदलाव करना होगा। बासी खाने से बचना, सुपाच्य आहार लेना। मूंग की दाल, अच्छी तरह पके गीले चावल, दही-चावल खाना। आजकल बेल का शर्बत पीना फायदेमंद है। साबुत धनिये को एक कप पानी में उबालें और जब आधा कप रह जाए तो छानकर पी लें। ऐसा दिन में 2 से 3 बार करें।
उल्टी और मतली (कभी-कभी)	**Domperidone**- Domstal/ Vomikind/ Motilium/ Ondem	प्याज का एक चम्मच रस और उसमें एक चुटकी चीनी मिलाकर पीना	**Ipecacuanha, Nux Vomica, Arsenicum Album**	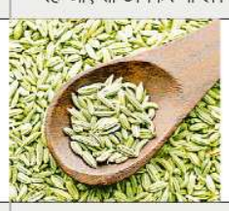 सौंफ चबाएं या पानी में उबालकर पानी पिएं। नीबू-पानी पिएं। साथ में **पेट दर्द** होने पर 2 चम्मच सौंफ या 4 तुलसी के पत्तों को एक कप पानी में उबालें और जब आधा कप बच जाए तो छानकर पीने से फायदा होगा।
कब्ज	**Lactulose Solution**- Duphalac/ Cremalax/ Lactulax	रात में गुनगुने पानी के साथ 1-2 चम्मच त्रिफला चूर्ण खाएं या खाने में घी	**Bryonia Alba, Alumina, Nux Vomica**	1-2 चम्मच ईसबगोल गुनगुने पानी या दूध के साथ रात को सोने से पहले लें या रात के खाने के बाद 1 कटोरी पका हुआ पपीता खाएं।
खांसी, सर्दी	**Diphenhydramine**- Benadryl/ Corex D/ Dristan	सितोपलादि चूर्ण (1 ग्राम शहद के साथ)/ तुलसी घनवटी (1-2 गोली दिन में गुनगुने पानी के साथ।)	सर्दी, जुकामः **Allium cepa, Aconite, Sabadilla, Hepar sulphur**, कफः **Bryonia, Spongia**	4-5 तुलसी के पत्ते, 1 टुकड़ा अदरक, 3-4 काली मिर्च, 1 छोटी इलायची को पानी में उबालें। थोड़ा गुड़ मिलाकर गर्म-गर्म पिएं। इसके अलावा रात को सोते समय 1 गिलास गर्म दूध में एक चुटकी हल्दी मिलाकर पिएं या मुलेठी चूसें या मुलेठी का चूर्ण पानी के साथ लें। यहां इस बात का ध्यान रखें कि अगर किसी को गैस की समस्या है तो इस तरह के काढ़े से बचना चाहिए।
फंगल इन्फेक्शन	**Clotrimazole** Cream/Powder- Candid/ Canesten/ Fungicide	नीम घनवटी (1 गोली)/ त्रिफला चूर्ण/ नीम/ महामरीच्यादि/ अभ्यपाल तेल से मालिश)	**Graphites, Natrum mur, Petroleum**	शुद्ध नारियल तेल दिन में 2-3 बार स्किन पर लगाएं जहां खुजली हो/ ताजा एलोवेरा के पत्ते का शुद्ध जेल लगाएं या बाजार का 100% शुद्ध एलोवेरा जेल/ थोड़ा हल्दी पाउडर पानी या नारियल तेल में मिलाकर पेस्ट बनाएं और जहां पर एक्जिमा है, वहां पर दिन में 3 से 4 बार लेप लगाएं। 2 चम्मच सरसों का तेल गर्म करें और उसमें 2-3 कपूर की गोलियां डालें। ठंडा हो जाए तो लेप लगाएं।
रैशेज या एलर्जी से स्किन पर जलन	**Calamine Lotion**- Caladryl/ LactoCalamine/ z Calosoft	हरिद्रा खण्ड/ आरोग्यवर्धिनी वटी लगाने से भी फायदा होता है।	**Rhus tox, Pulsatilla, Sulphur**	रैशेज (शरीर पर दाने या चकत्ते)- सूती और लूज कपड़े पहनें। गर्मियों में इस बाता का ध्यान जरूर रखना चाहिए। इसके अलावा दूध में हल्दी मिलाकर सेवन करें, नहाने के पानी में खाने वाला सोडा (1 बाल्टी पानी में 2 से 3 चम्मच) मिलाकर नहाएं।
नींद न आना	अमूमन यह दवा डॉक्टर के पर्चे के बिना नहीं मिलती। **Melatonin** आदि दवाएं काम आती हैं।	1 चम्मच ब्राह्मी या शंखपुष्पी या अश्वगंधा चूर्ण को रात में 1 गिलास गुनगुने दूध के साथ लेना	**Kali phos, Coffea cruda, Passiflora incarnata**	भैंस के दूध से बनी चीजें खाएं, मसलनः खीर आदि। सोने से पहले एक चम्मच नमक मिले हुए गुनगुने पानी में अपने पंजों को 5 से 10 मिनट तक रखें। सरसों या नारियल तेल से पैरों की मालिश से अच्छी नींद आती है।
हाई बीपी	**Amlodipine/ Telmisartan**- Telma/ Atenolol/ Amlong/ Amlodac	सर्पगंधा वटी (नींद लाने और बीपी कम करने में उपयोगी)/ अश्वगंधा चूर्ण फायदा देगा।	**Rauwolfia Serpentina Q/ Crataegus Oxyacantha Q/ Lycopus**	हर रोज सुबह खाली पेट 1-2 कच्ची लहसुन की कलियां चबाएं/ रातभर भीगे 1 चम्मच मेथी के दाने सुबह खाली पेट खाएं। इससे बीपी कम होने लगता है, लेकिन जब यह अचानक हो तो अंग्रेजी दवा लेना ही सही है।
लो शुगर	शुगर लेवल 60-70 से नीचे तो 2-3 ग्लूकोज टेबलेट/1/2 ग्लास संतरा आदि का जूस/ 3 चम्मच चीनी	सिद्ध मकरध्वज रस या अश्वगंधा चूर्ण लेने से फायदा होगा।	**Phosphoric Acid/ Gelsemium/ Carbo veg/ Arsenicum Album**	गुड़, केला या खजूर खाना या फिर 1 गिलास मीठा नींबू पानी। अगर किसी शख्स को लो शुगर की परेशानी है तो वह अपने में पास कुछ टॉफी या चॉकलेट रखे और साथ में एक पर्ची जिस पर लो शुगर की जानकारी हो और ऐसे में क्या करना है।
कान दर्द	**Ciplox-D**- Ear Drops Ciprofloxacin + Dexamethasone/ Paracetamol Tab.	निर्गुंडी तेल, बिल्व तेल, दशमूल क्वाथ का उपयोग कर सकते हैं।	**Belladonna 30C/ Pulsatilla 30C/ Chamomilab30C**	सूती कपड़े में गरम पानी की बोतल लपेटकर कान के बाहर रखें, 2-3 बूंद तुलसी के पत्तों का रस कान में डाल सकते हैं। अगर कान से पस या गंध आ रही हो या इन्फेक्शन हो तो ऐसा न करें। फौरन ही अंग्रेजी डॉक्टर (ENT) से मिलें।

नेचरोपैथी उपाय

सिरदर्द, पेट दर्द, बुखार, लूज़ मोशंस, गैस आदि

प्राकृतिक चिकित्सा यानी नेचरोपैथी के अनुसार ऐसी परेशानियां शरीर में ज्यादा गंदगी जमा होने यानी डिटॉक्स न होने की वजह से होती है। इसलिए शरीर को डिटॉक्स करना जरूरी है। इसके लिए सबसे पहले तो यह जरूरी है कि हम फास्टिंग करें। यह शरीर से गंदगी बाहर करने यानी डिटॉक्स करने का सबसे आसान तरीका है। जब हमें बुखार, खांसी, सर्दी आदि होती है तो अक्सर भूख खत्म हो जाती है। इसका मतलब यह है कि कुदरत कह रही है कि बीमार हो तो खाना कम करो या फिर फास्ट करो। जानवर भी जब बीमार होते हैं तो सबसे पहले अपना भोजन ही त्यागते हैं। फास्टिंग को 3 स्टेप्स में करना है।

1. जब तक भूख न लगे तो थोड़ा-थोड़ा पानी पीना है।
2. जब थोड़ा भूख लगे तो एक नारियल पानी या आधे से एक गिलास सफेद पेठे का रस पीना है।
3. पेट के ऊपर सूती कपड़े (2.5 मीटर लंबा और 1 मीटर चौड़ा) की गीली पट्टी को नाभि को केंद्र मानते हुए लपेटना है। इसे 30 मिनट के लिए रखना है। इसे दिन में 3 बार करना है। इससे जहां गैस बाहर निकल जाती है, वहीं सिर दर्द आदि में भी राहत मिलती है। बुखार भी कम हो जाएगा। ध्यान यह रखना है कि जब यह पट्टी पेट पर लगी हो तो उस दौरान भोजन नहीं करना।

कब्ज: नॉन-वायलेंट एनीमा से फायदा होता है। ज्यादातर बीमारियों का संबंध हमारे पाचन तंत्र से होता है। कब्ज होना इसका एक सबूत है। इसमें नॉन-वायलेंट एनीमा कारगर है। इसे कैसे करना है, इसके लिए यू-ट्यूब पर सर्च कर सकते हैं। इससे 24 घंटे में आराम मिल जाता है।

बुखार के साथ सिर दर्द: एक सूती कपड़े का तौलिया भिगोकर सिर पर रखना चाहिए। इससे शरीर का ब्लड सर्कुलेशन सिर की ओर होने लगता है और बीमारी में फायदा होता है।

एक्जिमा: सुबह की कच्ची धूप जिसमें रोशनी तो हो, लेकिन गर्मी न हो (सुबह 6 से 8 बजे)। इसे शरीर के उस हिस्से पर लगाने से फायदा होता है जहां एक्जिमा हो। इसके अलावा कड़ी पत्ते और खीरे का रस लगाने से भी फायदा होता है। हां, ध्यान रहे कि इस दौरान एक्जिमा वाले हिस्से पर साबुन, शैंपू आदि का इस्तेमाल न करें

अनिद्रा: सिर पर और पेट पर ठंडी पट्टी लपेटने से फायदा होता है। अगर सर्दी का मौसम है तो ठंडी पट्टी के ऊपर गर्म कपड़ा लपेटना चाहिए।

दांत दर्द: एक गिलास गुनगुना पानी और एक गिलास में घड़े का ठंडा पानी लें और बारी-बारी से मुंह में कुल्ला भरकर कुछ देर के लिए रखना है। घड़े का पानी जब मुंह में रखे हुए ठंडे से गर्म हो जाए, तब फेंकना है। ऐसा दिन में 2 से 3 बार करना है।

हाई बीपी: मिट्टी की पट्टी लगाएं। पेट और माथे पर गीली मिट्टी की पट्टी लगाने से शरीर का तापमान नियंत्रित होता है और बीपी धीरे-धीरे घटता है। सुबह खाली पेट 20-30 मिनट के लिए मिट्टी पट्टी लगाएं।

लो शुगर: ताजे मीठे फल जैसे केला, पपीता, आम का सेवन करें। अगग शुगल लो की स्थिति ज्यादा बुरी हो तो इन फलों का जूस भी पी सकते हैं। इससे शुगर का स्तर सही हो जाएगा।

कान दर्द: हर्बल स्टीम थेरपी यानी पुदीना, तुलसी या यूकेलिप्टस की भाप लेना या हल्का गर्म पानी से गरारा से फायदा।

आयुर्वेदिक दवाएं लेने का तरीका

आयुर्वेद में बीमारी होने की वजह तक पहुंचकर उसे दूर करने की कोशिश की जाती है। मसलनः अगर किसी को सिरदर्द है तो इसकी कई वजहें हो सकती हैं। उसे बुखार हो, वह 2 रातों से ठीक से सोया नहीं हो आदि। फिर आयुर्वेद में उसकी वजह को दूर करने की कोशिश होती है। अगर नींद पूरी नहीं हुई है तो उसे पहले नींद पूरी करने की सलाह दी जाती है। मान लें कि पिछली 2 रातों में उस शख्स ने सामान्य रूप से 5 घंटे कम नींद ली तो उसे 2.5 घंटे की ज्यादा नींद लेनी चाहिए। इसी तरह अगर सिरदर्द बुखार की वजह से है तो पहले बुखार का इलाज किया जाता है। दरअसल, आयुर्वेद में शख्स की प्रकृति देखकर ही दवा दी जाती है।

ऊपर कुछ सामान्य बीमारियों की औषधियों के बारे में बताया गया है। इन्हें विकल्पों की कमी की स्थिति में ही लें।

नोट: ऊपर बताई हुई आयुर्वेद की औषधि चूर्ण के रूप में भी ले सकते हैं, टैबलेट के रूप में भी और काढ़े के रूप में भी। ये बाजार में अलग-अलग ब्रैंड नामों से भी मिलती हैं। इन्हें किसी जानकार वैद्य से भी ले सकते हैं। नीचे इसकी मात्रा बताई गई है, लेकिन वैद्य से पूछकर लेना ही सही है।

कितनी मात्रा में

- चूर्ण की मात्रा 3-5 ग्राम ले सकते हैं, लेकिन मरीज की स्थिति और उम्र आदि को देखकर।
- वटी/गोलियों की मात्रा 1-2 गोलियां (सुबह-दोपहर-रात)
- क्वाथ/काढ़ा-10-15ml काढ़ा+एक कप सादा पानी सुबह से रात तक।

ऐसे लें होम्योपैथिक दवा

- होम्योपैथी मरीज की वर्तमान स्थिति से ज्यादा इतिहास खंगालने में यकीन करती है। अगर किसी वजह से किसी की पूर्व की समस्याओं या इतिहास पता न हो तो होम्योपैथी से इलाज कराना मुश्किल हो जाता है। इसलिए अमूमन मरीज को देखकर ही दवा दी जाती है। फिर भी इमरजेंसी की स्थिति में इन्हें ले सकते हैं।

कितनी मात्रा में: 30 पोटेंसी की दवा हर दिन 4-5 बूंद करके 4 से 5 बार लेना होता है।

अंग्रेजी दवाएं लेते वक्त इन बातों का जरूर रखें ध्यान

- ऊपर अंग्रेजी दवाओं के नाम के बाद सॉल्ट का नाम और कुछ ब्रैंड के नाम दिए गए हैं। ब्रैंड बदलने से इनके सॉल्ट के नाम में कुछ फर्क हो सकता है। मार्केट में ऊपर बताए हुए ब्रैंड के अलावा भी कई अच्छे ब्रैंड मौजूद हैं। यहां सिर्फ उदाहरण के लिए नाम दिए गए हैं।
- अगर कोई खिलाड़ी है और किसी खेल में करियर बना रहा हो तो उसे अपनी मर्जी से कोई भी दवा नहीं लेनी चाहिए। मुमकिन है कि उस दवा पर उस खेल के दौरान लेने पर रोक हो। इसलिए हमेशा अपने डॉक्टर की सलाह से ही कोई दवा लें।
- यहां इस बात का भी ध्यान रखना है कि कई बार गलत दवा लेने से इन्फेक्शन खत्म नहीं होता, हां कुछ वक्त के लिए दब जाता है। मान लें किसी को फूड पॉइजनिंग की वजह से पेट में इन्फेक्शन हो गया है। ऐसे में लूज़ मोशंस को रोकने के लिए अगर दवा ले ली और ऐंटिबायोटिक नहीं ली तो लूज मोशंस रुक सकते हैं, लेकिन पेट में मौजूद बैक्टीरिया खत्म नहीं होता। इसलिए यहां जो दवाएं बताई जा रही हैं, वह तात्कालिक राहत के लिए हैं। राहत मिलने के फौरन बाद डॉक्टर से जरूर दिखाएं। सीधे कहें तो ये दवाएं सिर्फ लक्षणों से राहत के लिए बताई जा रही हैं। सिर्फ पहले दिन के लिए।
- ऊपर जो दवाओं के बारे में बताया गया है, उनमें से कई ऐसी दवाएं हैं जिनकी मात्रा मरीज की स्थिति के अनुसार डॉक्टर तय करते हैं। साथ ही, कई ऐसी दवाएं हैं जो अभी OTC दवाओं की लिस्ट में जोड़ी नहीं गई हैं, लेकिन आने वाले समय में इनके जुड़ने की संभावना है।
- यहां दवाओं के जो विकल्प बताए गए हैं, वे सामान्य लोगों के लिए हैं। अगर कोई बच्चा है, बुजुर्ग या फिर उसे कोई गंभीर बीमारी है या गंभीर स्थिति तो उसे किसी भी हाल में डॉक्टर या हॉस्पिटल ले जाना ही सही होगा। यहां के विकल्पों को नहीं अपनाना है।

जागरूक खबरें

दो दिवसीय नवीं ब्लॉक स्तरीय प्रअ सत्रांत वाक्पीठ 27 से

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। आगामी 27 व 28 मार्च को आयोजित चित्तौड़गढ़ ब्लॉक के समस्त राजकीय, निजी मान्यता प्राप्त प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापकों की सत्र 2025-2026 की नवीं सत्रांत वाक्पीठ की तैयारियों को लेकर सीबीईओ शंभू लाल सोमानी के मुख्य आतिथ्य में बैठक का आयोजन हुआ। महेश नुवाल ने बताया कि वाक्पीठ का आयोजन डाइट में होगा। कालूराम खटीक ने बताया कि वाक्पीठ का आयोजन राउप्रावि गोपालपुरा पीईईओ नारेला के सानिध्य में होगा जिसमें राजकीय, निजी प्राथमिक व उप्रावि के लगभग 200 प्रधानाध्यापक भाग लेंगे। आयोजक विद्यालय प्रअ गिरिराज सोमानी ने सभी प्रधानाध्यापकों से वाकपीठ में भाग लेने का आव्हान किया। शिक्षक वाकपीठ में अपनी वार्ता प्रस्तुत करने के लिए सह कोषाध्यक्ष राजूलाल तेली से संपर्क कर सकेंगे। बैठक में नरेश पुनिया, जोनसिंह मीणा, गणेश उनियारा उपस्थित रहे।

जिले का हज यात्रियों का प्रशिक्षण शिविर 29 को

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। असरा वेलफेयर सोसायटी की ओर से हर वर्ष की तरह इस वर्ष का जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से इस साल हज पर मक्का-मदीना की यात्रा पर जाने वाले हज यात्रियों का शहर क़ाज़ी अब्दुल मुस्तफा की सरपरस्ती और तंज़ीम उलेमा अहले सुन्नत चित्तौड़ की निगरानी में हज प्रशिक्षण शिविर 29 मार्च को 9 से 3 बजे तक बूदी रोड स्थित गेबी पीर की दरगाह पर आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण शिविर में हज व उमराह पर जाने वाले सभी महिला पुरुषों को अनुभवी हज ट्रेनर्स सय्यद मोहम्मद क़ादरी, मोहम्मद सिद्दीक़ नूरी, महिलाओ के लिये आलीमा सिद्दीक़ा फातमा, आलिमा आइशा मरयम द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस दौरान हज यात्रियों को हज के सभी अरकान, एहराम बांधना, तवाफ़ करना, सऊदी अरब के कानून, हज यात्रा के दौरान आवाश्यक वस्तुओं, सावधानियों आदि के बारे में जानकारी दी जाएगी। मेडिकल टीम मौजूद रहेगी जो सब हाजियों की मेडिकल जांच भी करेगी।

वन विभाग और वन्यजीव विशेषज्ञ मिलकर बना रहे रणनीति, विलुप्त प्रजाति का हो संरक्षण

जैसलमेर बॉर्डर पर दिखा दुर्लभ कैराकल, तस्वीरों ने बढ़ाई उम्मीद

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जैसलमेर। विलुप्त हो रहे वन्य जीव कैराकल जैसलमेर में भारत-पाकिस्तान सीमा पर दिखे। वन विभाग और वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने संरक्षण के प्रयास तेज कर दिए हैं। इसकी निगरानी में कुल 9 मोशन सेंसिंग कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं, जिससे इस दुर्लभ प्रजाति की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। 25 जनवरी 2026 को वन विभाग ने एक नर कैराकल को रेडियो कॉलर लगाकर उसे दोबारा जंगल में छोड़ा था, इसके बाद उसके संभावित आवास क्षेत्रों में कैमरा ट्रैप स्थापित कर निगरानी शुरू की गई।

अब तक प्राप्त फुटेज में रेडियो कॉलर लगे कैराकल के अलावा एक नर और एक मादा कैराकल की मौजूदगी दर्ज की गई है. इस तरह क्षेत्र में कुल तीन कैराकल की उपस्थिति प्रमाणित हो चुकी है।

कैराकल की गतिविधियों पर नजर

इसके साथ ही एक गुफा में दो नर कैराकल के एक साथ रहने के संकेत भी मिले हैं, जो इस प्रजाति के व्यवहार और आवास को समझने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वन विभाग की टीम इन सभी गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए है। रेडियो कॉलर किए गए कैराकल की मूवमेंट से यह भी स्पष्ट हुआ है कि इसका आवास क्षेत्र पाकिस्तान सीमा से लगे इलाकों में फैला हुआ है। इसमें रामगढ़, तनोट, किशनगढ़, घोटारू, शाहगढ़ बल्ज और बछिया छोड़ जैसे क्षेत्र शामिल हैं। यह पूरा इलाका शुष्क मरुस्थलीय घास भूमि का हिस्सा है, जो इस प्रजाति के लिए अनुकूल आवास माना जाता है। निगरानी के दौरान कैराकल की फूड चेन को भी आंशिक रूप से पहचान लिया गया है. इसमें चिंकारा हिरण, भेड़ और बकरियां शामिल हैं।

वन विभाग कर रहा जागरूक

कुछ समय पहले ग्रामीणों ने एक कैराकल का शिकार करते हुए का वीडियो वायरल किया था। सबूत मिटाने के लिए शव को जलाने का प्रयास किया गया था। इस घटना के बाद वन विभाग और वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने मिलकर जागरूकता अभियान शुरू किया है। ग्रामीण इलाकों में लोगों को समझाया जा रहा है कि वे इस दुर्लभ जीव को नुकसान ना पहुंचाएं, और किसी भी गतिविधि की सूचना तुरंत वन विभाग को दें। जैसलमेर क्षेत्र में कैराकल की मौजूदगी को देश में बची अंतिम आबादियों में से एक माना जा रहा है, ऐसे में यह पहल संरक्षण के लिहाज से बेहद ममहत्वपूर्ण साबित हो रही है।

प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत ने की प्रेस वार्ता

राज्य सरकार विकसित राजस्थान @2047 के संकल्प को प्रतिबद्ध

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। कलेक्ट्रेट सभागार में प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत ने पत्रकारों से रूबरू होते हुए राज्य सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में वर्ष 2024-25 और 2025-26 के बजट में घोषित 95 प्रतिशत कार्य सफलतापूर्वक पूरे कर लिए गए हैं, जबकि शेष 5 प्रतिशत कार्य भी शीघ्र पूरे किए जाएंगे।

प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि आज मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा 'मुख्यमंत्री विकसित शहरी एवं ग्राम वार्ड' अभियान का शुभारंभ किया गया है। यह अभियान नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके तहत प्रदेश के गाँवों और वार्डों के समग्र विकास के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य फोकस ग्रामीण क्षेत्रों को आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि गांवों से शहरों की ओर होने वाले पलायन को रोका जा सके। इसके लिए प्रत्येक गाँव के लिए वर्ष 2047 तक का 'मास्टर प्लान' तैयार किया जाएगा, जिसमें आबादी और जरूरत के अनुसार सड़कों का सुदृढ़ीकरण, बिजली व स्वच्छ पानी की उपलब्धता, शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, खेल मैदान, आंगनवाड़ी केंद्र और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विकास सुनिश्चित किया जाएगा। प्रभारी मंत्री ने बताया कि इस योजना के तहत महिलाओं और युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे उन्हें शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़े। सरकार का लक्ष्य है कि 2047 तक राजस्थान का हर गाँव पूरी तरह विकसित होकर शहरों जैसी सुविधाओं से युक्त हो। उन्होंने यह भी कहा कि ग्रामीण विकास योजनाओं को नया स्वरूप देते हुए रोजगार के अवसरों को बढ़ाया गया है। अब रोजगार की अवधि 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है। साथ ही, कच्चे कार्यों की बजाय पक्के निर्माण कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे स्थायी विकास सुनिश्चित होगा। जल संरक्षण, भू-संरक्षण और कृषि से जुड़े कार्यों को भी योजना में विशेष महत्व दिया गया है।

प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने भरोसा दिलाया कि योजनाओं के सरलीकरण और पारदर्शिता से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों का आधारभूत ढांचा मजबूत होगा। सरकार का उद्देश्य हर ग्रामीण को उसके घर के पास ही सम्मानजनक रोजगार और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

माधव विश्वविद्यालय की छात्रा सुनमन कुमारी ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी बॉक्सिंग चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आबूरोड़। 9 से 14 मार्च तक जालंधर में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी महिला बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025-26 में माधव विश्वविद्यालय की छात्रा सुनमन कुमारी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया। प्रतियोगिता के 51 किलोग्राम भार वर्ग में सुनमन कुमारी ने दमदार मुकाबले खेलते हुए यह उपलब्धि प्राप्त की। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों की महिला मुक्केबाजों ने भाग लिया, जिसमें सुनमन ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल, साहस और आत्मविश्वास का परिचय दिया। इस उपलब्धि पर विवि चेयरमैन डॉ. राजकुमार, चांसलर हिम्मत सिंह देवल, प्रेसिडेंट डॉ. राजीव माथुर, प्रो प्रेसिडेंट डॉ. सुशील भार्गव, रजिस्ट्रार डॉ. भावेश कुमावत, होम्योपैथिक विभाग की निदेशक डॉ. भारती देसाई, खेल निदेशक डॉ. विष्णु चौधरी तथा शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष भरत कुमार चौधरी ने खिलाड़ी को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

माधव विश्वविद्यालय में बांस की खेती पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आबूरोड़। माधव विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर में बांस की खेती एवं प्रमुख उद्यानिकी योजनाओं पर आधारित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को बांस की खेती की आधुनिक तकनीकों, उत्पादन, उपयोग तथा कीट प्रबंधन के बारे में जानकारी देना रहा। इस अवसर पर उद्यान विभाग सिरोही के उपनिदेशक डॉ. हेमराज मीणा ने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न सब्सिडी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि बांस एक बहुउपयोगी फसल है, जिसका उपयोग फर्नीचर, कागज उद्योग, भवन निर्माण तथा पर्यावरण संरक्षण में व्यापक रूप से किया जाता है। उन्होंने बताया कि यह तेजी से बढ़ने वाला पौधा है और कम लागत में अच्छी आय देने की क्षमता रखता है। आत्मा सिरोही के उपनिदेशक ओमप्रकाश बैरवा ने किसानों को इनोवेटिव फार्मर अवार्ड एवं कृषक भ्रमण कार्यक्रम की जानकारी दी। कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर के इंचार्ज डीन डॉ. आलोक कुमार ने कहा कि सिरोही जिले के किसान बांस की विभिन्न प्रजातियों की खेती कर उससे उत्पाद बनाकर बाजार में अच्छे दाम प्राप्त कर सकते हैं तथा इससे उद्यमिता के नए अवसर विकसित हो सकते हैं।

माधव होम्योपैथिक कॉलेज की निदेशक डॉ. भारती देसाई ने बताया कि बांस की खेती किसानों के लिए आय का एक स्थायी और लाभकारी विकल्प बन सकती है। विश्वविद्यालय किसानों को नई तकनीक और वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है।

श्री महावीर जैन महिला मंडल ने किया मेले का आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। श्री महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के तहत महावीर महिला मंडल द्वारा विद्यासागर मांगलिक धाम में जैन मेले का आयोजन किया गया। जैन आचार संहिता पर आधारित जैन मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि महावीर जैन मंडल अध्यक्ष राजेंद्र दोशी, सोहन लाल पोखरना, नवीन पटवारी, कल्पना मेहता, रजनी रांका, प्रीति ढीलीवाल, निलेश पटवारी, अभिषेक लोढ़ा, मनीष छाजेड़, डॉ अरविंद सांखला ने किया। मेला पूर्णतया रात्रि भोजन निषेध के साथ प्लास्टिक एवं जमीकंद फ्री था। मधु मट्ठा, उमा सुराणा, स्नेहा ढीलीवाल, प्रियंका परमार, आशा वेद एवं प्रिया दोशी के अनुसार मेले में 35 से अधिक स्टॉल थी। जैन दर्शन पर आधारित जैन हाउजी के साथ ही बच्चों एवं महिलाओं की चेयर रेस, फैंसी ड्रेस, स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता आयोजित की गई। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता के जज आभा मेहता, रेनू पामेचा, संगीता सिपानी थे। प्रतियोगिता में 3 से 7 आयु वर्ग में प्रथम काव्य सेठिया, द्वितीय अव्यान जैन, सुविधि लुणावत तृतीय चारवी रांका, 8 से 12 वर्ष आयु वर्ग में प्रथम जेनिशा जैन, द्वितीय हर्ष पटवारी, तृतीय नय जैन एवं सुविधि बाघमार रहे। स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता में शिशु प्रशिक्षण डॉ अंकित राज मेहता एवं डॉ आभास भंसाली ने किया। प्रतियोगिता में प्रथम ऋत्विक बोहरा, द्वितीय आगम जैन, तृतीय खुशी सिसोदिया रहे।

राजस्थान दिवस पर तिलवाड़ा में जिला स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित, लोक संस्कृति की छटा ने बांधा समां

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। राजस्थान दिवस के अवसर पर गुरुवार को तिलवाड़ा में जिला स्तरीय भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में लोक संस्कृति, परंपराओं और रंग-बिरंगी प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी सचिव हरजीलाल अटल द्वारा मल्लीनाथ महाराज की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर मेला प्रभारी डॉ. रामेश्वरी चौधरी के निर्देशन में आकर्षक फूलों से राजस्थान दिवस की रंगोली सजाई गई तथा 1101 दीप प्रज्वलित कर वातावरण को अलौकिक बना दिया गया। कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों ने राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराओं को जीवंत करते हुए एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई, जिसके बाद रानी भटियाणी भजन, कानूडो भजन, घूमर नृत्य, गोरबंद, "दमा दम मस्त कलंदर", "बिणजारी ए हंस हंस" जैसे लोकप्रिय प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। कच्ची घोड़ी नृत्य और अन्य पारंपरिक लोकनृत्यों ने भी खूब तालियां बटोरीं।

वन राज्यमंत्री ने डॉक्टर्स प्रीमियर लीग सीजन-5 का किया शुभारम्भ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अलवर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री(स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने जिले में सनसेट पैवेलियन बख्तल की चौकी ग्राउंड में डॉक्टर्स प्रीमियर लीग सीजन-5 का शुभारम्भ कर खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया। शर्मा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास के लिए जरूरी हैं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी मजबूती प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सक धरती पर ईश्वर के समान है, जो मरीज को नया जीवन प्रदान करने में महती भूमिका निभाते हैं। चिकित्सक का पेशा बहुत ही तनावपूर्ण व मेहनत भरा है, जिसमें मरीज के साथ-साथ स्वयं के शरीर को भी स्वस्थ रखना बेहद आवश्यक है। कार्यक्र म संयोजक डॉ. तरुण यादव ने बताया कि प्रतियोगिता में चार टीम हिस्सा ले रही है, इनमें गीतांजलि टाइटंस, सीएलएस वारियर्स, हरीश हरिकेन व गुरूकृपा मनोहर आई स्ट्रॉमर शामिल है। उद्घाटन मैच सीएलएस वॉरियर्स एवं गुरु कृपा मनोहर आई की टीम के बीच खेला गया है, जिसमें दोनों टीमों के खिलाडियों ने उत्साह के साथ अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

हिंदुस्तान जिंक का राजस्थान, उत्तराखंड में स्वास्थ्य शिविरों में उमड़े सैंकड़ों ग्रामीण

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। हिंदुस्तान जिंक द्वारा सीएसआर के तहत स्वास्थ्य सेवा पहल के अंतर्गत ममता एचआइएमसी के संयुक्त प्रयास से राजस्थान और उत्तराखंड में संचालित इकाइयों के आसपास के क्षेत्र आगुचा, चंदेरिया, जावर, दरिबा और पंतनगर में स्वास्थ्य शिविरों का सफल आयोजन किया गया। इन शिविरों के माध्यम से कुल 1,101 लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की गईं, जिनमें 561 महिलाएं और 540 पुरुष शामिल थे। लाभार्थियों की सुविधा और अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए डोर-टू-डोर परिवहन सुविधा भी उपलब्ध कराई गई, ताकि दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोग भी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले सकें। इन शिविरों में गायनेकोलॉजिस्ट, ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ और जनरल फिजीशियन की अनुभवी टीम द्वारा लाभार्थियों को व्यक्तिगत एवं समग्र परामर्श प्रदान किया। साथ ही, हीमोग्लोबिन जांच, रक्तचाप की जांच और रैंडम ब्लड शुगर स्क्रीनिंग जैसी आवश्यक जांच सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। यह पहल ग्रामीण और आदिवासी समुदायों के लिए एक सशक्त मॉडल के रूप में उभरी है। इस पहल से स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में आने वाली कमियों को दूर कर जरूरतमंद लोगों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने में सहयोग मिला। हिन्दुस्तान ज़िंक की सीएसआ पहल के अतंर्गत स्वास्थ्य परियोजना से प्रतिवर्ष 2 लाख से अधिक ग्रामीण लाभान्वित हो रहे है।

आमजन को जागरूक कर टीबी मुक्त भारत का सपना हो सकता है साकार - आक्या

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। आमजन को जागरूक कर टीबी मुक्त भारत का सपना साकार किया जा सकता है। टीबी पूरी तरह से ठीक होने वाली बिमारी है, बशर्ते मरीज नियमित रूप से डॉक्टर की सलाह अनुसार दवा लेवें। सरकार और स्वास्थ्य संगठन लगातार इस बिमारी को खत्म करने के लिए प्रयास कर रहे है। जागरूकता ही इस बिमारी से लड़ने का सबसे बड़ा हथियार है। विधायक चंद्रभान सिंह आक्या विश्व क्षय दिवस पर पोस्टर का विमोचन करते हुए बड़ी संख्या में उपस्थित क्षैत्रवासियो को संबोधित कर रहे थे। टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के प्रभारी डा. राकेश भटनागर ने बताया की विश्व क्षय दिवस पर अभियान के द्वितीय फेज में 100 दिवस की कार्य योजना बनाई गई है। इस योजना के तहत विभिन्न स्थानो पर आयुष्मान शिविरो के माध्यम से इस बिमारी से पीड़ित छुपे हुए रोगियो को ढुंढकर उनका ईलाज किया जाएगा। इस अवसर पर डा. मानवेन्द्र, समन्वयक अमित प्रजापत, चन्देरिया नगर मण्डल अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह राठौड़, राजन माली, पूर्व पार्षद बालकिशन भोई, रामप्रसाद सुखवाल, पीनू मेनारिया, रामप्रसाद बगेरवाल, मुकेश काबरा सहित बड़ी संख्या में क्षैत्रवासी उपस्थित थे।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक .....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम .....

पता : .....

.....

फोन ..... पिन कोड

राशि (रुपए) ..... बैंक का नाम .....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. .....रसीद क्रं. .....

दिनांक ..... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार
बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

खाड़ी में पहली बार ट्रंप के बदले तेवर, पर ईरान ने कहा-कोई बात नहीं हुई

ट्रंप का दावा- ईरान से बात हुई, अब कोई युद्ध नहीं होगा

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप।

AFP

हमले रहे जारी ईरान की राजधानी तेहरान पर सोमवार को भी हमले हुए। इस दौरान एक रेजिडेंशल बिल्डिंग को भी निशाना बनाया गया।

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्ध पर हल निकलने की संभावना जताई है। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच बहुत अच्छी बातचीत हुई है। अब कोई युद्ध नहीं होगा। वे इस बात पर सहमत हो गए हैं कि उनके पास अब परमाणु हथियार नहीं होंगे। इसके बाद अमेरिका ने ईरान के पावर प्लांट पर हमलों को पांच दिनों के लिए रोक दिया है। हालांकि ईरानी मीडिया ने विदेश मंत्रालय के हवाले से अमेरिका के साथ बातचीत से इनकार किया।

इससे पहले अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने के लिए ईरान को 48 घंटे का समय दिया था। ऐसा न करने पर उसके पावर प्लांट पर हमले की चेतावनी दी थी। ईरान ने भी जवाबी हमले की बात कही थी। ट्रंप के अचानक यू-टर्न से अमेरिका और ईरान की धमकियों के बाद राहत मिली। ट्रंप ने कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है। उन्होंने कहा विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर ने बातचीत की। ट्रंप ने ईरान का प्रतिनिधित्व करने वाले किसी भी अधिकारी का नाम नहीं लिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोमवार को कहा कि ईरान में सत्ता परिवर्तन शुरू हो चुका है। साथ ही चेताया कि अगर ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत सफल नहीं होती है तो बमबारी जारी रहेगी। ट्रंप ने कहा कि ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के साथ बातचीत नहीं हो रही। सबसे सम्मानित नेता से बात हुई। ब्रिटेन ने बातचीत की खबर का स्वागत किया।

ईरानी संसद के अध्यक्ष बोले, US से बात नहीं

ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गालिबफ ने US के साथ किसी भी बातचीत से इनकार किया। उन्होंने कहा कि वित्तीय-तेल बाजारों में हेरफेर करने के लिए फर्जी खबरों का इस्तेमाल किया जा रहा है। यरूशलम पोस्ट ने बताया कि गालिबफ US के साथ बातचीत की अगुआई कर रहे हैं। इसी हफ्ते पाकिस्तान में अमेरिका और ईरान की मीटिंग की कोशिश की जा रही है।

गालिबफ

कोरोना काल जैसी चुनौती, हमें एकजुट रहना होगा: PM

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पश्चिम एशिया में युद्ध से बने हालात में कोविड के दौर की याद दिलाते हुए पीएम नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि दुनिया में जो कठिन हालात बने हैं, उनका प्रभाव लंबे समय तक बने रहने की आशंका है। पीएम ने लोकसभा में दिए बयान में कहा कि भारत के सामने भी इस युद्ध ने अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी है। ये चुनौतियां आर्थिक, राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी और मानवीय भी हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए देश को तैयार और एकजुट रहना होगा। उन्होंने कहा सरकार पश्चिम एशिया में युद्ध के शॉर्ट टर्म, मीडियम टर्म और लॉन्ग टर्म ऐसे हर असर के लिए एक रणनीति के साथ काम कर रही है।

बोले, लोगों को कम परेशानी हो इस पर फोकस है

पीएम ने जमाखोरी और कालाबाजारी पर तुरंत एक्शन लेने की जरूरत बताया। कच्चे तेल और पेट्रोल-डीजल से लेकर उर्वरकों, राष्ट्रीय सुरक्षा और खाड़ी देशों में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा के बारे में भी बात की। उन्होंने सरकार की ओर से उठाए गए कदमों की जानकारी देते हुए कहा, 'देश के सामान्य परिवारों को परेशानी कम से कम हो, इस पर हमारा फोकस रहा है।'

हम कोरोना के समय भी एकजुटता से ऐसी चुनौतियों का सामना कर चुके हैं। अब हमें फिर से उसी तरह तैयार रहने की जरूरत है। *-नरेन्द्र मोदी, लोकसभा में*

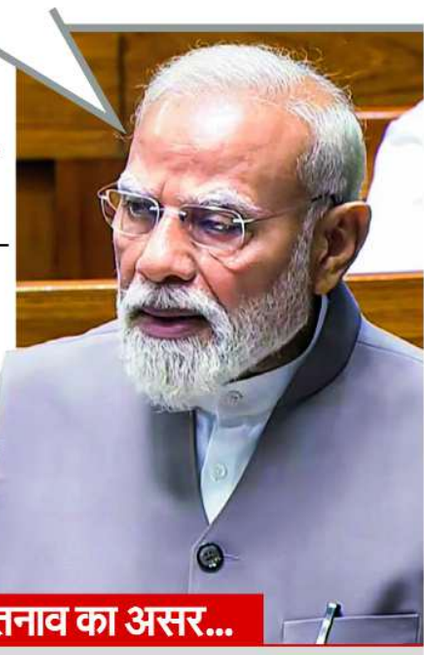

वॉर अपडेट्स

- इस्त्राइली सेना ने कहा कि उसने तेहरान के केंद्र में ईरानी शासन के ठिकानों पर हमले किए।
- भारतीय ध्वज वाले दो LPG टैंकर होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर चुके हैं।
- सऊदी अरब ने अपने 1,200 किलोमीटर लंबे पूर्व-पश्चिम पाइपलाइन को शुरू कर दिया है, ताकि तेल निर्यात जारी रखा जा सके।
- रेटिंग एजेंसी मूडीज की रिपोर्ट के मुताबिक, तनाव अगर लंबा खिंचा तो भारत की GDP सामान्य स्तर से करीब 4% तक गिर सकती है।

पश्चिम एशिया में तनाव का असर...

सेंसेक्स 1837 अंक गिरा, 14 लाख करोड़ डूबे

घरेलू शेयर मार्केट में सोमवार को भारी गिरावट रही। सेंसेक्स 1,837 अंक गिरा। निफ्टी 602 अंक लुढ़क गया। एक ही दिन में निवेशकों के करीब 14 लाख करोड़ रुपये डूब गए।

गोल्ड में 43 साल के बाद हफ्ते की बड़ी गिरावट

वैश्विक स्तर पर पिछले हफ्ते सोने में तेज गिरावट देखी गई, जहां इसकी कीमत करीब 500 डॉलर तक गिर गई। यह 1983 के बाद हफ्ते की सबसे बड़ी गिरावट है।

डॉलर के मुकाबले रुपया रेकॉर्ड निचले स्तर पर

रुपया सोमवार को 50 पैसे टूटकर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 94.03 प्रति डॉलर पर आ गया। यह पहली बार है जब रुपया 94 प्रति डॉलर के स्तर को पार कर गया।

विकसित भारत @2047 केवल प्रधानमंत्री का सपना नहीं बल्कि अब हर भारतीय का संकल्प-देवनानी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने उम्मीद जताई है कि देश के युवाओं और नागरिकों के वर्तमान जज़्बे को देखते हुए प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी द्वारा @2047 तक विकसित भारत का संकल्प समय से पहले ही साकार हो जाएगा। देवनानी राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के मानविकी पीठ सभागार में विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई (एनएनएस) द्वारा विकसित भारत @2047 समर्थ युवा-सशक्त भारत प्रतिभा सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो अल्पना कटेजा ने की जबकि विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय सेवा योजना राजस्थान के क्षेत्रीय निदेशालय एस एस भटनागर थे। विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने कहा कि विकसित भारत @2047 केवल प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी का सपना नहीं बल्कि अब हर भारतीय का संकल्प बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व की कोई महाशक्ति बनने की होड़ में नहीं है बल्कि वसुधैव कुटुंबकम् की भावना से पूरे विश्व को अपना परिवार मानते हुए पहले की तरह एक मार्गदर्शक की भूमिका निभाना चाहता है। भारत सदैव विश्व का मार्गदर्शक रहा है और आगे भी बना रहेगा। आज के युवकों को भलीभांति यह बात समझनी होगी कि मेरा भारत महान और सबसे सर्वश्रेष्ठ है। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े युवाओं का आह्वान किया कि वे भारत की मूल जड़ो को पहचाने और एआई के वर्तमान समय में युगानुकूल होते हुए नवाचारों और प्राचीन ज्ञान का समन्वय करके विकास की महान यात्रा में भारत की संस्कृति को आत्मसात करते हुए सहभागी बने। साथ ही सेवा की संस्कृति को अपने जीवन का अंग बनाएं। देवनानी ने कहा कि हम सभी भारतवासियों को इस बात का गर्व होना चाहिए कि हम सदियों पहले से ही विश्व गुरु और विकसित सभ्यता और संस्कृति वाला देश रहें है। वास्कोडिगामा ने भारत को नहीं खोजा था बल्कि भारत ने पूरे विश्व को खोजा है। समुद्र में रास्ता भटके वास्कोडिगामा को तो गुजरात का एक नाविक भारत तक लाया था। विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने कहा कि भारत हमेशा से ही ज्ञान का केन्द्र रहा है और सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, धार्मिक, तकनीकी आदि जीवन के हर क्षेत्र में विश्व में सबसे आगे रहा है लेकिन दो हजार वर्षों की गुलामी के कारण हम अपनी मूल जड़ों और पहचान को भूल गए थे। अंग्रेजों ने भारत के लोगों को सिर्फ कलर्क बना उनकी प्रतिभा को पंगु बनाने का प्रयास किया वरना वेद, पुराणों और उपनिषदों के साथ ही रामायण एवं महाभारत जैसे महान ग्रन्थ भारत की महान सभ्यता और संस्कृति के साथ ही ज्ञान के अपार भण्डार है जिन्हें आज की युवा पीठी को पढ़ना और आत्मसात करना चाहिये ।

bb bigbasket
A TATA Enterprise

हमारा वादा

250+ ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स की विस्तृत रेंज

230+ हानिकारक केमिकल्स से मुक्त

30,000+ किसानों से सीधे लाया जाता है

India Organic जैविक भारत Jaivik Bharat
Jaivik Bharat
द्वारा प्रमाणित

तुरंत डिलीवरी

पेश है
bb ROYAL™
Organic
A TATA Product

₹469.00
₹259.00
5kg
bb ROYAL Organic Sharbati Atta

₹299.00
₹149.00
1kg
bb ROYAL Organic Toor Dal

₹200.00
₹109.00
500g
bb ROYAL Organic Raw Peanuts

₹685.00
₹479.00
500g
bb ROYAL Organic Almonds

₹550.00
₹269.00
1L (910 g)
30°C
Organic Cold Pressed Kachi Ghani Mustard Oil

हर 4 में से 1 बिगबास्केटीयर ऑर्गेनिक चुन रहा है। क्या आपने चुना?

हमारी प्रक्रिया

मिट्टी की जाँच की जाती है, ताकि कोई केमिकल अवशेष न रहे

नीम का तेल, गोबर और वर्मीकम्पोस्ट जैसे प्राकृतिक खाद का उपयोग किया जाता है

सुरक्षित कीट नियंत्रण

हर बैच की जाँच, ताकि हानिकारक केमिकल्स न हों

ICICI Bank 10% instant discount on all Credit Cards up to ₹150.00 on a minimum order value of ₹999.00 Use Code ICICICC

PhonePe Get Flat ₹30.00 Cashback on a min. order of ₹299.00 Pay with a RuPay Credit Card on UPI via PhonePe

FREE Delivery on your first 4 orders | Flat ₹150/- off* on your first order *T&C apply

PENTAGON 13415

T&C apply. For more details, offers, terms & conditions visit the bigbasket app or log on to bigbasket.com /FAQ | Images are for illustration purposes only.

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- चेतेन्द्र कुमार मिश्रा